RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः334, सोमवार, 19 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

पुलिस अधीक्षक ने किया जगदीशपुर थाना का निरीक्षण, लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन के ... 03

नौतन थाना में एसपी का जनता दरबार, जमीन विवादों पर सख्त रुख 04

सलमान के पास अनुभव का विशाल भंडारः चित्रांगदा सिंह 07

मौनी अमावस्या पर बिना स्नान लौटे अविमुक्तेश्वरानंद

- शंकराचार्य की पालकी रोकने पर प्रयागराज में मचा बवाल

प्रयागराज (एजेंसी)। मौनी अमावस्या पर एक तरफ जहां प्रयागराज संगम तट पर आस्था का सैलाब उमड़ा हुआ है। दोपहर साढ़े 12 बजे तक करीब 3.15 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके थे। वहीं ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद लंबी खींचतान के बाद बिना स्नान किए वापस लौट गए। उन्होंने पुलिस पर शिष्यों से बदसलूकी और मारपीट करने का आरोप लगाया। इसके पहले शंकराचार्य के रथ और काफिले को लेकर हालात तनावपूर्ण हो गए थे। पुलिस ने भारी

भीड़ और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए रथ से संगम नोज की ओर बढ़ रहे शंकराचार्य को रोक दिया था। अधिकारियों ने शंकराचार्य से पालकी से उतरकर पैदल जाने का आग्रह किया लेकर शंकराचार्य और उनके समर्थक इसके लिए राजी नहीं हुए। समर्थक आगे बढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बन गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। उन्होंने शंकराचार्य को मनाने की कोशिश की लेकिन शंकराचार्य पैदल जाने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने समर्थकों को वहां से हटा दिया।

अमेरिका नहीं तोड़ पाएगा भारत की रूस से दोस्ती

- कोई भी प्रतिबंध नहीं आएगा काम,तेल का आयात जारी रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उन देशों पर टैरिफ के जरिए लगाम कसने की कोशिश कर रहे हैं जो रूस से खरीद रहे हैं। इनमें भारत भी शामिल है। उन्होंने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें 25 फीसदी सिर्फ इस कारण है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता है। वहीं ट्रंप ने हाल ही में फिर से 500 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही है। एक्सपर्ट के मुताबिक इसके बाद भी भारत रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखेगा।

ग्लोबल रियल टाइम डेटा और एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के मुताबिक ट्रंप की 500 फीसदी टैरिफ की धमकी के बाद भी भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात जनवरी में भी मजबूत बना रहने की उम्मीद है। केप्लर के अनुसार, भारत जनवरी में रूस से हर दिन करीब 1.3 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात कर सकता है। सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और रोसनेफ्ट से जुड़ी नायरा एनर्जी ने इस महीने यानी जनवरी में रूस से कच्चा तेल खरीदना बढ़ा दिया है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस बार रूस से कोई तेल नहीं खरीदा है।

ऐतिहासिक समुद्री मार्गों पर निकला 'सागरध्वनि'

'सागर मैत्री' अभियान का फिर से हुआ शुभारंभ

कोच्चि (एजेंसी)। भारत की समुद्री विज्ञानी विरासत को नई ऊर्जा देते हुए, आइएनएस सागरध्वनि को 'सागर मैत्री' अभियान के पांचवें संस्करण के लिए शनिवार को कोच्चि से रवाना किया गया। इस अभियान की विशेष बात यह है कि इसके तहत आइएनएस सागरध्वनि, वर्ष 1962-65 के दौरान अंतरराष्ट्रीय हिंद महासागर अभियान में भाग लेने वाले पोत आइएनएस कृष्णा के ऐतिहासिक समुद्री मार्गों का पुनः अनुसरण करेगी। दक्षिणी नौसेना कमान में आयोजित ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता राधा मोहन सिंह, अध्यक्ष, संसदीय स्थायी समिति (रक्षा) ने की। रक्षा प्रवक्ता के अनुसार, सागर मैत्री भारतीय नौसेना और डीआरडीओ की एक प्रमुख संयुक्त पहल है, जो भारत सरकार की अवधारणा के अनुरूप है।

इंडियन कोस्ट गार्ड के 200 से अधिक ट्रेनी

इस अभियान के दौरान इंडियन नेवी और इंडियन कोस्ट गार्ड के 200 से अधिक ट्रेनी गहन सेल ट्रेनिंग से गुजरेंगे यानी उन्हें पाल वाले जहाज की समुद्री यात्रा के बारे में व्यावहारिक जानकारियां दी जाएंगी। इसके साथ ही विभिन्न देशों की नेवी के ट्रेनी के साथ संवाद और जॉइंट एक्टिविटी के मौके भी मिलेंगे। जिससे पेशेवर आदान-प्रदान और आपसी मित्रता को बढ़ावा मिलेगा। आईएनएस सुदर्शिनी इस यात्रा के दौरान मित्र देशों की नेवी के साथ ट्रेनिंग इंटरेक्शन और समुद्री साझेदारी कार्यक्रमों में भी भाग लेगा।

इंडिगो पर 22 करोड़ का जुर्माना,चेतावनी भी

- फ्लाइट कैंसलेशन मामले में डीजीसीए का ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर कैंसल हुई फ्लाइट्स के मामले में इंडिगो एयरलाइन पर 22.2 करोड़ का जुर्माना लगाया है। साथ ही, कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स को भी चेतावनी दी गई है। इंडिगो के एक वरिष्ठ अधिकारी को हटाने का भी आदेश दिया गया है। यह जानकारी शनिवार को रेगुलेटर ने एक बयान जारी करके दी। डीजीसीए ने यह ऐक्शन 3-5 दिसंबर के बीच बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ी की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित करने के एक महीने से ज्यादा समय बाद लिया है। पिछले महीने की शुरुआत में इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द हुई थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। बयान के अनुसार,डीजीसीए ने इंडिगो को ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट को मौजूदा ऑपरेशनल जिम्मेदारियों से मुक्त करने का निर्देश दिया है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को फ्लाइट ऑपरेशंस और क्राइसिस मैनेजमेंट पर अपर्याप्त ओवरऑल निगरानी के लिए चेतावनी दी है। मामले की जांच भी हुई थी और कमेटी के अनुसार, इस रुकावट के मुख्य कारण ऑपरेशंस का ओवर-ऑप्टिमाइजेशन,रेगुलेटरी तैयारियों में कमी आदि हैं।

भाजपा देश के लोगों की पहली पसंद बनी

- मोदी बोले-वोटर गुड गवर्नेंस,विकास चाहता है
- असम में कहा-कांग्रेस को लगातार नकार रहा है

कोलकाता/गुवाहाटी (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश के लोगों की पहली पसंद बन गई है। देश कांग्रेस को लगातार नकार रहा है। जनता को गुड गवर्नेंस चाहिए, उसे विकास चाहिए। जिस महाराष्ट्र में कांग्रेस कई साल तक सत्ता में रही, वहां से वो हार गई। मोदी ने कलियाबोर में 6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी। इसका मकसद ट्रैफिक जाम को कम करना और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के आसपास वन्यजीवों की रक्षा करना है। पीएम ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों- डिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। हर साल जब ब्रह्मपुत्र का जलस्तर बढ़ता है तो यहां के वन्यजीव ऊंचे इलाकों की ओर निकलते है। रायनो हाथी सड़क के किनारे फंस जाते है। इसीलिए यहां 90 किमी लंबा कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। इसके लिए 7 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में काजीरंगा में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। इससे गाइड, ट्रैवल एजेंसियों, होटल, हस्तशिल्प कलाकारों और स्थानीय लोगों को आय के नए अवसर मिले हैं।

असम अब दिल्ली के पास, हाशिए पर नहीं रहेगा

मोदी ने कहा कि काजीरंगा भारत की बायो डायवर्सिटी का एक अनमोल रत्न है। यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा दिया है। यहां के वन्य जीवों के बचाना केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं है। बल्कि यह असम की आने वाली पीढ़ी के भविष्य का भी दायित्व भी है। कांग्रेस असम को 2 हजार करोड़ रुपए देती थी। लेकिन भाजपा सरकार विकास के लिए असम को 10 हजार करोड़ रुपए दे रही है। यानी कि कांग्रेस सरकार के बजट से 4 गुना ज्यादा। नॉर्थ ईस्ट अब दिल्ली के पास है, अब ये हाशिए पर नहीं रहेगा। मोदी ने कहा कि दशकों तक यहां के लोगों को महसूस होता रहा कि देश का विकास कहीं और हो रहा है और वे पीछे छूट रहे हैं। इस भावना को बदलने का का काम हमने किया। नॉर्थ इंडिया के विकास के अपनी प्राथमिकता बनाया। नॉर्थ ईस्ट के रेल कनेक्टिविटी बहुत महत्वपूर्ण थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया।

विकास के साथ-साथ विरासत भी संभाल रहा असम

असम आज दुनिया को दिखा रहा है कि विकास के साथ-साथ विरासत को कैसे संभाला जा सकता है। दशकों तक लोगों को लगता रहा कि देश का विकास कहीं और हो रहा है और वे पीछे रह गए हैं। इस सोच को बदलने का काम किया गया और नॉर्थ ईस्ट के विकास को प्राथमिकता दी गई। कांग्रेस ने असम की मिट्टी को घुसपैठियों को सौंप दिया। इनकी सरकार के दौरान असम में घुसपैठ बढ़ती गई। कांग्रेस को असम के इतिहास, संस्कृति और आस्था से कोई सरोकार नहीं था।

भारत जब तक धर्म से चलता रहेगा,तब तक 'विश्वगुरु' बना रहेगा

- मोहन भागवत बोले-यह आध्यात्मिक ज्ञान दुनिया में कहीं और नहीं मिलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा। आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि ऐसा आध्यात्मिक ज्ञान दुनिया के दूसरे हिस्सों में नहीं पाया जाता। भागवत ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि धर्म ही पूरे ब्रह्मांड को चलाता है और सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से एक समृद्ध

आध्यात्मिक धरोहर विरासत में मिली है और साधु-संतों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, तब तक भारत 'विश्वगुरु' बना रहेगा। दुनिया के पास इस तरह का ज्ञान नहीं है क्योंकि उसमें आध्यात्मिकता की कमी है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत है, जो हमें मिली है।

सभी को चला रही एक ही शक्ति

भागवत ने कहा कि चाहे वह नरेन्द्र भाई हों, मैं हूं, आप हों या कोई और, हम सभी को एक ही शक्ति चला रही है। यदि वाहन उस शक्ति से चले, तो कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी। वह चालक धर्म है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि की उत्पत्ति हुई, तो वह नियम जो उसकी कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते थे, वही धर्म बने। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। भागवत ने कहा कि धर्म केवल धार्मिकता तक सीमित नहीं है और प्रकृति में हर किसी का अपना नैतिक कर्तव्य व अनुशासन होता है। उन्होंने कहा कि राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई भी मानव या कोई भी सृष्टि धर्म रहित नहीं हो सकती। भागवत ने कहा पानी का धर्म है बहना, आग का धर्म है जलाना। पुत्र का कर्तव्य है, शासक का कर्तव्य है और आचार-व्यवहार के नियम होते हैं।

बिहार में लागू हुआ 'सीधी मुलाकात' का सिस्टम

अब जनता और अफसरों के बीच मिट जाएंगी दूरियां

पटना (एजेंसी)। सोमवार से बिहार में सरकारी कार्यालयों की कार्य संस्कृति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान के तहत आम जनता की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था लागू हो रही है। जिसके तहत अब किसी भी सरकारी कार्यालय में अधिकारी के न मिलने की शिकायत अतीत की बात

होगी। आदेश के बाद सोमवार 19 जनवरी को सभी श्रेणी के कार्यालयों में अधिकारी जनता से मिलेंगे और उनकी समस्याओं का निदान करेंगे। सरकार ने बीते दिनों निर्णय लिया था कि प्रत्येक सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को ग्राम पंचायत से लेकर थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला, प्रमंडल और राज्य स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में पदाधिकारी अपने निर्धारित कार्यालय में उपस्थित रहेंगे।

हर हाल में होगी जनता से मुलाकात

यदि किसी अपरिहार्य कारणवश अधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते हैं, तो उनके स्थान पर अधिकृत पदाधिकारी को लोगों से मिलने के लिए तैनात किया जाएगा। जो पदाधिकारी एक से अधिक विभाग या कार्यालय का प्रभार संभाला रहे हैं, उन्हें भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे सोमवार और शुक्रवार को पूर्व निर्धारित समय के अनुसार सभी कार्यालयों में उपस्थित रहकर जनता से मिलें।

एमपी के जबलपुर में कार ने 13 मजदूरों को रौंदा

- 2 की मौत,7 की हालत गंभीर, सड़क किनारे बैठकर खाना खा रहे थे

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को तेज रफ्तार कार ने 13 मजदूरों को कुचल दिया। हादसे में 2 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 मजदूर घायल हो गए। घायलों में से 7 की हालत नाजुक है। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा बरेला थाना क्षेत्र के एकता चौक पर दोपहर करीब 2 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक चैनवती बाई (40 वर्ष) और लच्छो बाई (40 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक और सभी घायल मंडला जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र के बिहारिया गांव के रहने वाले हैं। डेढ़ माह से यहां मजदूरी कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, मजदूर सड़क के डिवाइडर में लगी लोहे की जालियों की सफाई करने के बाद बैठकर खाना खा रहे थे। इसी दौरान बरेला से जबलपुर की ओर आ रही सफेद कार उन्हें रौंदते हुए भाग गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बरेला थाना पुलिस और डायल 108 को सूचना दी।

259 साल से बंद महामाघ उत्सव दोबारा शुरू

- केरल चुनाव से तीन महीने पहले दक्षिण में कुम्भ
- पेशवाई जैसी रथयात्रा, पहले स्नान में उमड़ी भीड़

मल्लपुरम (एजेंसी)। केरल के मल्लपुरम जिले का मात्र 37 हजार की आबादी वाला छोटा सा कस्बा तिरुनावाया। वैसे तो यह जगह राज्य के प्राचीन भगवान नवमुकुंद (विष्णु) मंदिर और यहां हर 12 साल में होने वाले मामांकम उत्सव के लिए विख्यात है, लेकिन इस बार यहां 18 जनवरी से दक्षिण भारत का पहला कुम्भ शुरू हो गया है। यह दक्षिण की गंगा कही जाने वाली नीला नदी (भरतपुझा) के तट पर 3 फरवरी तक चलेगा। यह महामाघ उत्सव का बड़ा रूप है। जूना अखाड़ा, केरल की भारतीय धर्म प्रचार सभा इसके आयोजक हैं। राज्य में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में हिंदुओं का इतना बड़ा जमावड़ा दक्षिण भारत में चर्चा का विषय बन गया है। मैं इस वक्त नवमुकुंद मंदिर के ठीक बाहर हूं और यहां

से आप 6 किमी के दायरे में कहीं भी चले जाएं, हर घर फूलों से सजा है। घरों, दुकानों पर जो पोस्टर लगे हैं, उन पर लिखा है- दक्षिण भारत का पहला कुम्भ। हालांकि बजट कम है, इसलिए यहां प्रयागराज कुम्भ जैसी टेंट सिटी नहीं बनी है। लोगों ने अतिथियों के लिए अपने घर केरल का यह उत्सव भव्य है। इसे मेरी शुभकामनाएं हैं। देशभर से लोग वहां पहुंच रहे हैं अवधेशानंदगिरी महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर, जूना अखाड़ा खोल दिए हैं। तिरुर के मधुसूरन एस कहते हैं कि अब तक उत्तर भारत के कुम्भ में हम मेहमान बनकर जाते थे, अब अतिथि देवो भवः की परंपरा हम निभाएंगे। मंदिर के 6 किमी के दायरे में 1500 घर इसके लिए तैयार किए गए हैं। तिरुनावाया के गोपीनाथ चेन्नर कहते हैं- मैंने घर की ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर अतिथियों का अरेंजमेंट किया है। स्वागत के लिए रोज रंगोली बना रहे हैं। सबसे बड़ी बात है कि अपने पहले कुम्भ के लिए स्थानीय लोग राज्य सरकार से मदद न मांगकर खुद खर्च उठा रहे हैं। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर आनंद वनम भारती ने बताया कि तिरुनावाया में महामाघ उत्सव की परंपरा 259 साल से बंद थी। हमने इसे कुम्भ के रूप में पुनर्जागृत किया है। जिस तरह से उत्तर में प्रयाग पितृ तर्पण और कुंभ का केंद्र है, वैसे ही दक्षिण में तिरुनावाया है। नीला नदी भी पौराणिक है। यह तमिलनाडु से शुरू होकर केरल में बहती है।

12 हजार भक्त अन्न प्रसादम की व्यवस्था में

केरल सरकार पहले इस आयोजन में नहीं थी, लेकिन अब उसके देवासवम मंत्री वीएन वासवन कुम्भ के संरक्षक हैं। जिस तरह से उत्तर के कुम्भ की शुरुआत में पेशवाई निकलती है, ठीक वैसे ही इस कुम्भ में रथयात्रा निकली। इसकी शुरुआत तमिलनाडु से हुई, जो 22 जनवरी को तिरुनावाया पहुंचेगी। 5 हजार से ज्यादा वॉलेंटियर हैं। 12 हजार भक्त अन्न प्रसादम की व्यवस्था संभाल रहे हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी वासुदेव नंबूदिरी ने बताया कि मंदिर का आखिरी बार जीर्णोद्धार 1300 साल पहले हुआ था, इसका रिकॉर्ड उपलब्ध है। राजस्थान के पुष्कर के बाद ब्रह्मा जी का दूसरा मंदिर यहीं है। 18 जनवरी को माघी अमावस्या पर कुंभ का पहला स्नान संपन्न हुआ। नदी तट पर दोनों ओर 2 किमी में घाट बने हैं। स्नान सिर्फ दिन में होंगे। रात में नहीं।

ग्रीनलैंड को लेकर उल्टा पड़ा 'टैरिफ' वाला दांव

अमेरिका को बड़ा झटका,यूरोपीय संसद ने रोकी ट्रेड डील

पेरिस (एजेंसी)। ग्रीनलैंड पर कब्जे की डोनाल्ड ट्रंप धमकियों को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। यूरोपीय संसद ने बड़ा कदम उठाते हुए अमेरिका के साथ ऐतिहासिक ट्रेड डील पर रोक लगा दी है। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कंट्रोल के प्रस्ताव का विरोध करने वाले वाले यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। यूरोपीय संसद के इस कदम से पिछले साल हुए ट्रांसअटलांटिक समझौते पर सवालिया निशान लग गया है। इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में राष्ट्रपति ट्रंप और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने हस्ताक्षर किए थे। समझौते का मकसद अमेरिकी टैरिफ को 15 प्रतिशत पर रखकर व्यापार संबंधों को स्थिर करना था। इसके बदले में अमेरिकी एक्सपोर्ट पर शुल्क को कम किया जाना था।

संक्षिप्त समाचार

भ्रामक आरोप लगा रहे हैं तेजस्वी, अपराध पर नीतीश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तथ्यों की जानकारी के अभाव में दुष्प्रचार का आरोप लगाया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश सरकार वर्ष 2005 से अपराध पर अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग है और इसे सख्ती से लागू करती रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार में, लालू-राबड़ी की सरकार की तरह अपराधियों को संरक्षित नहीं किया जाता और न ही आपराधिक मामलों को लटकाने, अटकाने और भटकाने की नीति अपनाई जाती। वर्तमान सरकार में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से आपराधिक घटनाओं के खिलाफ त्वरित कार्रवाई होती है और दोषियों को समयबद्ध रूप से दंडित किया जाता है। नेता प्रतिपक्ष जिस मधेपुरा की घटना का जिक्र कर रहे हैं, उस मामले में सरकार ने एसआईटी का गठन किया और आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा गया। ठीक उसी प्रकार, खगड़िया की घटना में प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीट छात्रा के साथ हुई घटना अत्यंत दुखद है। इस मामले पर भी सरकार ने का गठन किया है और गहनता से जांच जारी है। हॉस्टल संचालक को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जांच के बाद जो भी लोग दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। श्री कुशवाहा ने कहा कि अपराधियों को संरक्षित करने का इतिहास राजद का रहा हैय लालू-राबड़ी की सरकार में ऐसे हजारों उदाहरण प्रमाण के साथ मौजूद हैं, जबकि नीतीश सरकार पर कभी अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप नहीं लगा। हमारी सरकार अपराधियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई के लिए जानी जाती है।

समृद्धि यात्रा के जरिए भविष्य के बिहार की नींव रख रहे हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार : निहोरा

पटना। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता डा निहोरा प्रसाद यादव ने सोशल संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा बिहार के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है। यह यात्रा 16 जनवरी से महात्मा गांधी की धरती पश्चिमी चंपारण की ऐतिहासिक भूमि से प्रारंभ हुई, जो अपने आप में प्रतीक है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के विकास को उसकी जड़ों से मजबूती देने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।समृद्धि यात्रा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोलहवीं यात्रा है और अनुभव बताता है कि जब-जब मुख्यमंत्री ने बिहार के जिलों का दौरा किया है, तब-तब राज्य के विकास को नई गति मिली है। यह यात्रा केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जमीनी हकीकत का प्रत्यक्ष ऑडिट है, जिसमें यह देखा जा रहा है कि कौन-सी योजना धरातल पर उतरी और कहाँ सुधार की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्पष्ट मानना है कि केवल कार्यालय में बैठकर विकास संभव नहीं है, बल्कि विकास की वास्तविक तस्वीर तभी सामने आती है जब योजनाओं को मौके पर जाकर देखा जाए। जिले में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री ने लगभग 153 करोड़ की लागत से 125 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया तथा लगभग 29 करोड़ की लागत से पूर्ण हो चुकी योजनाओं का उद्घाटन किया। इसके साथ-साथ उन्होंने किसान मेला सह कृषि यंत्र प्रदर्शनी का उद्घाटन कर आधुनिक कृषि तकनीकों का अवलोकन किया और किसानों से सीधा संवाद भी किया।

72 सीट से 42 पर पहुंचाने वाले कभी पार्टी में नहीं आएंगे: ललन

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की जदयू में वापसी को लेकर पर रविवार को जदयू सांसद और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि जदयू में आरसीपी सिंह की एंट्री नहीं होगी। ललन सिंह ने आगे कहा कि जदयू किसी एक व्यक्ति की पार्टी नहीं है, बल्कि यह समर्पित कार्यकतार्ओं और बिहार की जनता की ताकत से आगे बढ़ी है। 72 सीट से 42 पर पहुंचने वाले कभी पार्टी में नहीं आएंगे।जिन लोगों के कार्यकाल में जदयू 72 सीटों से 42 सीटों पर सिमट गई थी। वो पार्टी में आकर क्या करेंगे। जदयू के निष्ठावान कार्यकतार्ओं और बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दोबारा मजबूत किया और 42 सीटों से 85 सीटों तक पहुंचाया है। ललन सिंह ने कहा कि, कुछ लोगों ने पार्टी को कमजोर किया और उस स्थिति में छोड़कर गए थे। अब वे वापस आकर क्या करेंगे। ललन सिंह के इस बयान के बाद साफ हो गया है कि पार्टी नेतृत्व पुराने विवादों को दोहराने के मूड में नहीं है'। दरअसल, पिछले रविवार को पटेल सेवा संघ की ओर से दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया गया था। इस भोज में उट नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह दोनों पहुंचे थे। हालांकि, दोनों के पहुंचने की टाइमिंग में थोड़ा अंतर था। लेकिन कार्यक्रम से निकलने के बाद आरसीपी सिंह ने जो बयान दिया वो चर्चा में था। मीडिया से बातचीत में आरसीपी सिंह ने कहा कि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना अभिभावक मानते हैं। हमारा और उनका रिश्ता किसी एक मौके या पद से जुड़ा नहीं है।

बिहार के मंत्रियों को मिला जिलों का प्रभार

पटना। बिहार सरकार ने जिलों के लिए प्रभारी मंत्रियों की नई सूची जारी कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक राज्य के 25 मंत्रियों को अलग-अलग जिलों का प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। इसके साथ ही पहले से प्रभार दिए गए अधिसूचना को रद्द किया गया है। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष सह प्रभारी मंत्री के रूप में ये मंत्री अपने-अपने आवंटित जिलों में विकास योजनाओं की समीक्षा, निगरानी और क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही कानून-व्यवस्था, सरकारी योजनाओं की प्रगति और प्रशासनिक कार्यों की नियमित समीक्षा भी इनके जिम्मे होगी। इस नई सूची के अनुसार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पटना जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। वहीं, विजय कुमार सिन्हा को मुजफ्फरपुर और भोजपुर, विजय कुमार चौधरी को पूर्वी चंपारण और नालंदा, जबकि बिजेंद्र प्रसाद यादव को वैशाली और सारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभारी मंत्रियों की यह नई व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि जिलों में चल रही विकास योजनाओं, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, कानून-व्यवस्था और जनसमस्याओं की नियमित समीक्षा हो सके। प्रभारी मंत्री समय-समय पर जिलों का दौरा करेंगे और अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की समिति का गठन

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय (पीपीयू), पटना में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के स्थायीकरण की मांग को लेकर आज दिनांक 18 जनवरी 2026 को इको पार्क, पटना परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। बैठक के दौरान अतिथि शिक्षकों की एक समन्वय समिति का सर्वसम्मति से गठन किया गया। समिति में डॉ. संत कुमार को अध्यक्ष, डॉ. हिमांशु कुमार को महासचिव, डॉ. सूची स्मिता, डॉ. चांदना एवं डॉ. चंद्रमोहन त्रिपाठी को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त अन्य पदों पर भी कार्यरत अतिथि शिक्षकों को सहमति से जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक का मुख्य उद्देश्य पीपीयू में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को एक मंच पर संगठित करना तथा उनके स्थायीकरण को लेकर आगे की रणनीति तय करना था। अतिथि शिक्षकों ने कहा कि वे पिछले तीन से चार वर्षों से लगातार विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य कर रहे हैं, तथा उनका चयन विश्वविद्यालय स्तरीय चयन समिति के माध्यम से हुआ है। अतिथि शिक्षकों ने यह भी उल्लेख किया कि देश के कई राज्यों में विश्वविद्यालय शिक्षकों की सेवा 65 वर्ष की आयु तक सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बिहार सरकार से भी इसी तर्ज पर निर्णय लेने की मांग की। बैठक के अंत में सभी अतिथि शिक्षकों ने माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से आग्रह किया कि अन्य राज्यों की भांति पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय सहित बिहार के विश्वविद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों की सेवा को 65 वर्ष की आयु तक सुरक्षित एवं स्थायी किया जाए।

नीट छात्रा की मौत पर गरजे तेजस्वी, नीतीश सरकार पर जमकर बोला हमला

एजेंसी

पटना।जहानाबाद के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में नीट की छात्रा के साथ जो बर्बरता हुई, अब उसने एक अलग ही रूप ले लिया है। एक तरफ देखा जाए तो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आदेश के बाद एसआईटी का गठन किया गया और अब इस मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो इसे लेकर अब कई बड़े नेता सरकार को घेरते दिख रहे हैं। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए उन्हें घेरने की कोशिश की है और इस मामले पर निशाना साधा है। इस मामले में महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए और बिहार की विधि व्यवस्था का हवाला देते हुए तेजस्वी यादव ने कहां 'भ्रष्ट तंत्र व मशीनी यंत्र निर्मित डबल इंजन की एनडीए सरकार अत्याचारियों, भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और बलात्कारियों का उपकरण बन चुकी है। वोट खरीदी से बनी बिहार की असंवेदनशील नीतीश सरकार संपूर्ण बिहार में नाबालिग बेटियो, छात्राओं और महिलाओं पर जुल्म ढा रही है। सत्ता संपोषित अत्याचारी होने के कारण सरकार के कर्ताधर्ता रोंगटे खड़े करने वाली इस वीभत्स घटनाओं पर मौन धारण कर महात्मा बनने का स्वांग रचा रहे हैं। आगे तेजस्वी ने कहा मधेपुरा में विधवा महिला के साथ सामूहिक बलात्कार व हत्या, खगड़िया में 4 वर्षीय नाबालिक बच्ची के साथ जघन्य सामूहिक दुष्कर्म व हत्या, पटना में जहानाबाद की नीट छात्रा के साथ दुष्कर्म क्रूरता पूर्ण हत्या और सत्ता संरक्षित लीपा पोती दर्शाती है कि यह सरकार निर्मम क्रूर अमानवीय हो चुकी हैं। नीतीश कुमार की चुप्पी पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने कहा बिहार की विधि व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है। मुख्यमंत्री की चुप्पी अपराधिक है। नीट छात्रा मौत मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। पहले पुलिस और प्रशासन ने दुष्कर्म की आशंका को साफ तौर पर खारिज किया लेकिन परिजन लगातार ये आरोप लगाते रहे कि उनकी बच्ची के साथ कुछ गलत हुआ है। जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई तो हर किसी के होश उड़ गए. इसके बाद अब गहनता से इस मामले की जांच हो रही है।

मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर में गंगा तट स्थित सीढ़ी घाट का भ्रमण कर कराये गये विकास कार्यों का लिया जायजा

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर में गंगा तट स्थित सीढ़ी घाट का भ्रमण कर कराये गये विकास कार्यों का जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने गंगा रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के तहत कराये गये विकास कार्यों के साथ ही श्रद्धालुओं की सुनिश्चित करायी गयी सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचपन में अक्सर हम यहां सीढ़ी घाट पर स्नान करने आते थे। प्रतिदिन बड़ी संख्या में आस-पास के श्रद्धालु भी यहां पहुंचते हैं, जिसे ध्यान में रखते हुये इस घाट को काफी अच्छे ढंग से विकसित कराया गया है। अब श्रद्धालु सुगमतापूर्वक यहां आकर स्नान एवं पूजा-अर्चना करते हैं। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर के सीढ़ी घाट स्थित श्री राधे कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व सांसद पंडित शीलभद्र याजी एवं उनकी धर्मपत्नी स्व० बालकेश्वरी याजी की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। इस अवसर पर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद संजय कुमार झा, जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम०, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के० शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बिहार में सक्रिय भूमि माफिया का मार्च तक कर दिया जाएगा हिसाब : उपमुख्यमंत्री

एजेंसी

» बिहार के शहरी विकास में भूमि माफिया एक नई चुनौती
» राज्य में इंच-इंच जमीन के लिए भाई का लहू बहाने को लोग हैं तैयार
» जेल की सजा के बदले आर्थिक दंड देने का किया जा रहा प्रावधान

पटना।उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार के शहरी विकास में भूमि माफिया एक नई चुनौती के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री के रूप में मुझे इस चुनौती को नजदीक से देखने का अवसर मिला है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सबसे अधिक विवाद जमीन से जुड़े झगड़ों का है। इंच-इंच जमीन के लिए लोग अपने ही भाई का लहू बहाने को तैयार हैं। हमने इसे रोकने के लिए सभी अंचलों में अंचल गार्ड की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि राज्यभर में सक्रिय जमीन माफिया का अगले मार्च तक हिसाब कर दया जाएगा। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा रविवार को राजधानी के तारामंडल के सभागार में ह्वस्टैकहोल्डर कंसल्टेशन ऑन टाउन प्लानिंग स्कीमह्व विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पटना की मेयर सीता साहू, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, सचिव संदीप कुमार पुडकलकट्टी, पटना के प्रमंडलीय आयुक्तअनिमेष कुमार पराशर समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री सिन्हा ने कहा कि हमने इनसे निपटने की शुरूआत भूमि सुधार एवं जन कल्याण संवाद के जरीय कमिश्नरी स्तर पर की है। अभी हमारा लक्ष्य जमीन की मापी कराकर उनके परिमार्जन को ठीक करना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान में जो भी अडंगा लगाएंगे, उन्हें ठीक कर दिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में तीन प्रकार के माफिया सक्रिय हैं। पहला भूमि माफिया, दूसरा बालू माफिया और तीसरा शराब माफिया। बालू माफिया का तो इलाज कर कर दिया गया है और अब भूमि माफिया की बारी है। इनका भी मार्च तक इलाज कर दिया जाएगा। उधर, शराब माफिया का इलाज उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी कर रहे हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि लोग रोजगार और बेहतर जीवनशैली के लिए शहरों का रुख करते हैं। आज देश की 36 प्रतिशत आबादी शहरी हो चुकी है। जबकि बिहार कि करीब 16.6 फीसद आबादी ही शहरों में रहती है। यह चिंता का विषय है। हमारी नई सरकार ने अपने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही फैसला लिया है कि राज्य में 11 नए टाउनशिप व्विक्सित किये जाएंगे। इनमें नौ प्रमंडलीय मुख्यालयों के अलावा सोनपुर और सीतामढ़ी को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार को पूर्वी भारत का टेक हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए डिफेन्स कोरिडोर के साथ सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित किये जाएंगे। उनोने कहा कि भविष्य का शहर कैसा होगा, इसपर हमें विचार करना होगा। श्री सिन्हा ने कहा कि बिहार में शहरीकरण की रफ़्तार में तेजी लाई जा रही है। पहले लोग नरसंहार से बचने के लिए शहरों का रुख करते थे। लेकिन बिहार के गांवों में आधारभूत संरचना विकसित हो चुकी है। कार्यशाला में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार का तेजी से विकास हो रहा है। लेकिन राज्य के शहरी क्षेत्रों में इसकी रफ़्तार संतोषजनक नहीं है। उन्होंने बिहार टाउन प्लानिंग नीति 2025 की चर्चा करते हुए कहा कि बिल्डिंग बाईलॉज में बदलाव कर उसे सरल बनाया जाएगा। अब बिल्डिंग बाइलॉज का उल्लंघन करने वालों को जेल की सजा के बदले आर्थिक दंड देने का प्रावधान किया जा रहा है।

बिहार में 10 लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे : संतोष

एजेंसी

» सदस्यता का महाअभियान अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल 2026 तक चलाया जाएगा

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा द्वारा संगठन को जन-जन तक मजबूत करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सदस्यता अभियान की शुरूआत आज पूरे देश में एक साथ की गई। पार्टी कार्यालय में इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की मूल भावना पर आधारित राजनीति करने वाली पार्टी है। हमारा संकल्प बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को गांव, गरीब, शोषित-वंचित, दलित, पिछड़ा और अति पिछड़ा समाज तक पहुंचाना है। सदस्यता अभियान इसी संकल्प को धरातल पर उतारने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।डॉ. सुमन ने कहा कि बाबा साहब का स्पष्ट संदेश था कि इस देश में राष्ट्रपति का बेटा हो या सफाईकर्मी की संतान—सबको समान शिक्षा, समान अवसर और समान सम्मान मिलना चाहिए। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) इसी विचारधारा को राजनीति के केंद्र में रखकर काम कर रही है। हमारा मानना है कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है और जब तक समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के बच्चे को भी समान शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक सच्चे अर्थों में सामाजिक न्याय की स्थापना संभव नहीं है।उन्होंने बताया कि इस सदस्यता अभियान के तहत बिहार में 10 लाख तथा पूरे देश में कुल 50 लाख नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती, 14 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) आज आम जनता की सशक्त आवाज बनकर उभरी है। संगठन विस्तार के माध्यम से पार्टी युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को और मजबूती देगी। वहीं जहानाबाद की घटना को लेकर डॉ अनिल कुमार के नेतृत्व में एक टीम जहानाबाद की कल एक दिवसीय दौरा पर रहेगी।

तेजस्वी यादव बनाए जा सकते हैं राजद के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी

» 25 जनवरी की बैठक में लग सकती है मुहर

पटना।लालू प्रसाद यादव की लगातार बिगड़ती तबीयत के बाद यह कहा जा रहा था कि तेजस्वी अब पार्टी की बागडोर संभाल सकते हैं। बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को 6 साल के लिए परिवार और पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद राजद की कमान अब सीधे तौर पर तेजस्वी यादव के हाथों में आ गई है। ऐसे में अब इसे लेकर एक बहुत बड़ी जानकारी सामने आई है कि लालू यादव के स्वास्थ्य को देखते हुए राजद ने एक बहुत बड़ा फैसला लिया है और तेजस्वी यादव को पार्टी का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। 25 जनवरी को राजद द्वारा एक विशेष बैठक बुलाई गई है जिसमें इस बात पर मुहर लग सकती है। जब से तेजस्वी विदेश यात्रा से लौटे हैं, उसके बाद से ही बिहार के राजनीति में वह सक्रिय है। इस वक्त वह लगातार समीक्षा बैठक कर बिहार चुनाव में मिली हार और आगे की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। तेजस्वी को राजद में लालू यादव के बाद नंबर 2 का दर्जा पहले से प्राप्त है, क्योंकि पार्टी में कोई भी बड़ा फैसला लेना हो, वह काम तेजस्वी यादव ही करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ही लालू यादव ने यह पावर तेजस्वी यादव को सौंप दी थी, फिर चाहे बात चुनाव में टिकट काटने से लेकर या टिकट बांटने तक की हो, सभी काम तेजस्वी करते हैं। अगर उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पद मिलता है तो उनकी ताकत और भी ज्यादा बढ़ जाएगी।

नेशनल और स्टेट हाईवे पर अब नहीं चलेगी ई-रिक्शा

एजेंसी

» 10 हजार किलोमीटर लंबे हाइवे नेटवर्क पर लागू रहेगा नियम

पटना। परिवहन विभाग ने सख्त आदेश जारी करते हुए नेशनल और स्टेट हाईवे पर ई-रिक्शा के परिचालन पर रोक लगा दिया है। जिसके बाद अब पटना के इन रुटों पर भी ई-रिक्शा का परिचालन नहीं होगा। सरकार ने सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन विभाग ने इस संबंध में सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों (डीटीओ) को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं। पटना में यह आदेश न्यू बाइपास, बिहटा-सरमेरा रोड, पटना-गया रोड और फुलवारीशरीफ-दानापुर-बिहटा रोड पर प्रभावी होगा। इसके साथ ही पूरे राज्य में करीब 3617 किलोमीटर स्टेट हाईवे और 6389 किलोमीटर नेशनल हाईवे पर ई-रिक्शा नहीं चल सकेंगे। कुल मिलाकर लगभग 10 हजार किलोमीटर लंबे हाइवे नेटवर्क पर यह रोक लागू होगी। परिवहन विभाग ने जुगाड़ गाड़ियों के परिचालन पर भी सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। ये वाहन बिना पंजीकरण, फिटनेस प्रमाणपत्र और बीमा के सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो मोटर वाहन अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। तकनीकी रूप से असुरक्षित होने के कारण जुगाड़ गाड़ियां दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रही हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इन वाहनों का इस्तेमाल यात्री और माल ढुलाई के लिए किया जा रहा है, जबकि इनमें न तो भरोसेमंद ब्रेक सिस्टम होता है और न ही लाइट, संकेतक व अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण लगे होते हैं। परिवहन मंत्री के निर्देश पर जारी आदेश में कहा गया है कि ई-रिक्शा और जुगाड़ गाड़ियां यातायात सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। ई-रिक्शा की गति कम होती है, जबकि हाईवे पर तेज रफ्तार बसें, ट्रक और कारें चलती हैं। इससे दुर्घटनाओं और जानमाल के नुकसान की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। इसके अलावा नेशनल और स्टेट हाईवे का डिजाइन तेज रफ्तार और भारी वाहनों के अनुरूप होता है। ई-रिक्शा न तो पर्याप्त गति पकड़ पाते हैं और न ही अचानक ब्रेक या मोड़ को सुरक्षित तरीके से संभाल सकते हैं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी जिलों में इस आदेश का सख्ती से पालन कराया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुमार्ना और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार आमजन से मिलेंगे पदाधिकारी

एजेंसी

» ऊर्जा विभाग के सभी कार्यालय में होगी व्यवस्था, शिकायतों का पंजीकरण कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

पटना। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के अंतर्गत सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी एवं अनुषंगी कंपनियों से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए पदाधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह दो कार्यदिवस अनिवार्य रूप से आम जन से मुलाकात करने का निर्देश दिया गया है। ऊर्जा सचिव एवं बीएसपीएचसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह द्वारा सभी कंपनियों के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिये गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विद्युत विभाग के अधीन सभी कार्यालयों में सोमवार को अपराह्न 12:30 बजे से 02:00 बजे तक एवं प्रत्येक शुक्रवार को अपराह्न 03:00 बजे से 04:30 बजे तक पदाधिकारी आम जन से मुलाकात कर शिकायतों का रजिस्टर में संधारण एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करेंगे। ऊर्जा सचिव, विभाग एवं बीएसपीएचसीएल से संबंधित शिकायतों के लिए, आम जन से पटना में विद्युत भवन-1 के प्रथम तल पर स्थित सभागार में मुलाकात करेंगे। वहीं बीएसपीएचसीएल की अनुषंगी कंपनियों- साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी और नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी एवं बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित कंपनियों के प्रबंध निदेशक भी निर्धारित दिन एवं समय पर अपने-अपने कार्यालयों में आमलोगों से मिलेंगे। निदेर्शानुसार, बीएसपीएचसीएल एवं अनुषंगी कंपनियों के क्षेत्रीय कार्यालयों में पदस्थापित सभी महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता, उप महाप्रबंधक-सह-विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत कार्यपालक अभियंता, सहायक विद्युत अभियंता एवं कनीय विद्युत अभियंता भी सोमवार और शुक्रवार को तय समय पर अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर शिकायतों का निवारण करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक ने किया जगदीशपुर थाना का निरीक्षण, लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

बीएनएम @ बेतिया। पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन द्वारा जगदीशपुर थाना का विधिवत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना के मालखाना, महिला हेल्प डेस्क, वायरलेस शाखा सहित संपूर्ण थाना परिसर की गहन जांच की गई। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक ने थाना में संधारित विभिन्न पंजीयों का अवलोकन किया, जिसमें अपराध निर्देशिका पार्ट-1, पार्ट-2, पार्ट-3, डकैती पंजी, लूट पंजी, गुंडा पंजी सहित अन्य अभिलेख शामिल थे। पंजीयों में की गई प्रविष्टियों की बारीकी से समीक्षा करते हुए उन्होंने अभिलेखों को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने लंबे समय से लंबित हत्या, लूट एवं अन्य शीर्ष कांडों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए वारंट एवं कुर्की की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि कांडों का प्रभावी निष्पादन किया जा सके। निरीक्षण के दौरान परिक्ष्यमान पुलिस अधीक्षक बेतिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02, अंचल पुलिस निरीक्षक योगापट्टी, जगदीशपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

शिकारपुर लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। शिकारपुर थाना क्षेत्र में घटित लूट की घटना का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लूटा गया मोबाइल फोन एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। जानकारी के अनुसार 07 जनवरी 2026 को फिरोज आलम नरकटियागंज से गोरखपुर जाने के लिए ट्रेन पकड़ने हेतु मोटरसाइकिल से घर से निकले थे। इसी दौरान पोखरिया और भसुरारी के बीच नरकटियागंज–बलथर मार्ग पर स्थित पुल के पास मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने उनका रास्ता रोककर नथिंग कंपनी का मोबाइल फोन एवं 6000 नकद लूट लिया था। घटना को लेकर पीड़ित के आवेदन पर शिकारपुर थाना कांड संख्या 23/26 दिनांक 08 जनवरी 2026 को दर्ज किया गया। मामले के उद्भेदन एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरकटियागंज के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। तकनीकी एवं मानवीय अनुसंधान के आधार पर एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों—जुल्फान अंसारी उर्फ बिल्ला (18 वर्ष), निवासी नरकटिया फार्म, थाना शिकारपुर एवं शाहिद हुसैन उर्फ छोटू (22 वर्ष), निवासी नंदपुर—को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से लूटा गया मोबाइल फोन तथा लूट में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं इस कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी अभियान जारी है। उल्लेखनीय है कि मामले में लापरवाही एवं प्राथमिकी दर्ज करने में न्यूनिकरण के आरोप में तत्कालीन अपर थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है।

सरस्वती पूजा व गणतंत्र दिवस को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना परिसर में सरस्वती पूजा एवं गणतंत्र दिवस को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने की। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि दोनों पर्व आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाए जाएं। इसके लिए जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि पूजा स्थलों पर अश्लील गीतों का प्रसारण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा तथा डीजे साउंड के प्रयोग पर पूर्ण रोक रहेगी। थानाध्यक्ष ने बताया कि सरस्वती पूजा के उपरांत 24 जनवरी को हर हाल में मूर्ति विसर्जन किया जाना है। इस दौरान सड़कों पर पुलिस की कड़ी निगरानी रहेगी। किसी भी प्रकार के हुड़दंग या असामाजिक गतिविधि करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सरपंच मनोज प्रसाद, विजय सिंह, जयप्रकाश यादव, पंचायत समिति सदस्य ईंद मोहम्मद, अमेरिका पासवान, अशोक यादव, संभू प्रसाद श्रीवास्तव, अजमल कमाल उर्फ लाल, अजय सहनी, मुन्ना राम सहित दर्जनों जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सुगौली से दक्षिण भारत के तीर्थों के लिए रवाना हुई भारत गौरव यात्रा ट्रेन

बीएनएम @ सुगौली @ मृत्युंजय कुमार पाण्डेय । तीर्थाटन और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) और भारतीय रेलवे की संयुक्त पहल के तहत रविवार को सुगौली जंक्शन से भारत गौरव यात्रा ट्रेन दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन में कुल 464 तीर्थयात्री सवार हैं, जो 13 दिनों की संगठित तीर्थयात्रा पर निकले हैं। यह भारत गौरव यात्रा ट्रेन श्रद्धालुओं को पुरी, तिरुपति, रामेश्वरम, कन्याकुमारी, मदुरै, तिरुअनंतपुरम और मल्लिकार्जुन जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों के दर्शन कराएगी। यात्रा पूर्ण होने के बाद यह ट्रेन 1 फरवरी को पुनः सुगौली जंक्शन लौटेगी। भारत गौरव यात्रा ट्रेन की शुरुआत वर्ष 2021 में की गई थी। इसका उद्देश्य देश के अलग-अलग हिस्सों से यात्रियों को भारत की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराना तथा पर्यटन को नई गति देना है। इस योजना के तहत थीम-आधारित टूर—जैसे रामायण सर्किट, ज्योतिर्लिंग दर्शन और दक्षिण भारत दर्शन—आयोजित किए जाते हैं। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन में स्लीपर, एसी थ्री-टियर और एसी टू-टियर कोच उपलब्ध कराए गए हैं। खास बात यह है कि रेलवे द्वारा टिकट पर 33 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है, जिससे यह यात्रा आम लोगों के लिए भी सुलभ बनती है। ट्रेन में शुद्ध शाकाहारी भोजन, पैंट्री कार, ऑन-बोर्ड गाइड, ठहरने की व्यवस्था और दर्शनीय स्थलों तक निजी वाहनों की सुविधा भी शामिल है। धार्मिक भावना को ध्यान में रखते हुए कोच के भीतर पूजा-स्थल की व्यवस्था भी की गई है। सुबह 6:45 बजे रवाना हुई इस ट्रेन के सफल संचालन में आईआरसीटीसी के अधिकारियों के साथ-साथ रेलवे प्रशासन की टीम सक्रिय रही। यात्रियों ने इस सुव्यवस्थित और किफायती तीर्थयात्रा पहल की सराहना करते हुए इसे "आस्था और सुविधा का सुंदर संगम" बताया।

दो मासूमों की गुमशुदगी: मासूमों की तलाश में थकी आंखें

सागर सूरज

मोतिहारी। जिले में मासूम बच्चों की गुमशुदगी अब सिर्फ खबर नहीं, बल्कि हर घर की चिंता बन चुकी है। बच्चा चोर गिरोह के सक्रिय होने की आशंका के बीच दो नन्हे बच्चों के गायब होने की घटनाओं ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है।

एक घटना हालिया है तो दूसरी को पूरे एक सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद अब तक कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी है।

ताजा मामला चकिया थाना क्षेत्र का है। ग्राम गंगा सिरसिया से 11 माह का अद्यांश कुमार रात के समय अपने घर से रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। पिता धर्मेन्द्र राम और माता कविता देवी हर पल किसी चमत्कार की उम्मीद में दरवाजे की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। बच्चे के रोने की आवाज़ सुनने को तरस चुके माता-पिता का दर्द शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

वहीं मधुबन थाना क्षेत्र के ग्राम कंशपकड़ी में हुई घटना को अब एक सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। डेढ़ साल की मासूम बच्ची मणिकर्णि उर्फ मनिया घर के दरवाजे पर खेलते-खेलते गायब हो गई थी।

इस मामले में पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए बच्ची की सूचना देने वाले को 50000 इनाम देने की घोषणा भी की, लेकिन तमाम घोषणाओं और छापेमारी के बावजूद बच्ची का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है।

हर गुजरता दिन परिवार की उम्मीद को और कमजोर करता जा रहा है।

बच्चा चोरी क़ी घटनाओं ने

ज़िले की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है सूचनाएं एकत्रित क़ी जा रही है और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक मोतिहारी ने आम लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, बच्चों को अकेला न छोड़ें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

गांव की गलियों से लेकर शहर की सड़कों तक डर का साया है। हर मां अपने बच्चे को सीने से लगाए सहमी हुई है। सवाल सिर्फ इतना है, क्या ये मासूम जल्द अपने घर लौट पाएंगे?

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

भोपतपुर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बरामद मोटरसाइकिल पर कोई रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित नहीं था। वाहन का चेचिस नंबर MD625NE1X91F30132 पाया गया, जबकि इंजन नंबर घिसा हुआ था। साथ ही वाहन से संबंधित कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

इस मामले में गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रामबाबू पासवान, पिता जीअन पासवान, निवासी चौबे टोला, थाना भोपतपुर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया है कि मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है और अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

एसोसिएट एक्चुअरी बनकर रक्सौल की बेटी तुलसी ने बढ़ाया मान

बीएनएम @ रक्सौल

शहर के पोस्ट ऑफिस रोड निवासी प्रतिष्ठित धानोठिया परिवार की बेटी तुलसी धानोठिया ने एक्चुरियल साइंस के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इंस्टिट्यूट एंड फैकल्टी ऑफ एक्चुरिज, यूके से एसोसिएट एक्चुअरी का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के साथ ही उन्होंने न केवल परिवार बल्कि पूरे रक्सौल का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि भारत में मात्र लगभग एक हजार से बारह सौ एसोसिएट एक्चुअरी ही हैं। तुलसी, स्वर्गीय गोपीराम धानोठिया की सुपौत्री तथा गणेश धानोठिया एवं सुशीला धानोठिया की पुत्री हैं। बचपन से ही मेधावी रहीं तुलसी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा डीपीएस बीरगंज

(नेपाल) एवं विद्या देवी जिंदल स्कूल, हिसार से प्राप्त की, जबकि स्नातक की पढ़ाई दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से की। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया। इस उपलब्धि से परिवारजनों व शहरवासियों में हर्ष का माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

35 हजार का इनामी, वांछित शराब माफिया गिरफ्तार

» कई कांडों में फरार अपराधी STF–पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दबोचा गया

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर STF एवं राजेपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर कांड संख्या 172/22 (उत्पाद अधिनियम) के वांछित तथा 35 हजार रुपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राजेश कुमार यादव, पिता रामबाबू राय, निवासी फाजिलपुर, थाना राजेपुर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था तथा उस पर शराब तस्करी सहित कई गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त रहने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, राजेश कुमार यादव का आपराधिक इतिहास अत्यंत लंबा है। इसके विरुद्ध राजेपुर थाना सहित विभिन्न थानों एवं अन्य जिलों में लूट, हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम एवं उत्पाद अधिनियम से जुड़े कुल 22 मामले दर्ज हैं। राजेपुर थाना में दर्ज प्रमुख कांडों में लूट, हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट एवं उत्पाद कांड शामिल हैं। वहीं अन्य थानों में भी डकैती के प्रयास, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम तथा लूट से संबंधित मामलों में अभियुक्त वांछित रहा है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से गहन पूछताछ की जा रही है तथा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में शराब माफियाओं एवं आपराधिक तत्वों में हड़कंप मच गया है।

शराब पीकर हंगामा करने वाले सात लोग गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। इसी क्रम में जितना थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान ग्राम जोलगांवा से शराब पीकर हंगामा कर रहे 07 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चूमन हाजरा (मुरली परसौनी, बलथर थाना, पश्चिमी चंपारण), अनिल कुमार, सनोज पासवान, सोनालाल यादव (तीनों बेला जीतपुर, जितना थाना), जादोलाल पासवान (एकडरी, छोड़ादानो थाना), अर्जुन बैठा (बेलाजीतपुर) एवं कृष्णानन्द कुमार (कोडरकट, जितना थाना) शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध जितना थाना कांड संख्या 11/26 दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

समृद्धि यात्रा के तहत मुख्यमंत्री ने की योजनाओं की समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी

समृद्धि यात्रा के क्रम में पूर्वी चंपारण पहुंचे माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शीर्ष पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद मोतिहारी स्थित गांधी मैदान में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर जिले के विकास कार्यों की प्रगति से मीडिया को अवगत कराया। प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सबसे पहले कल्याणपुर अंचल के कैथवलिया स्थित निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर परिसर में सहस्त्र शिवलिंगम स्थापना कार्यक्रम में भाग लिया और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंदिर परिसर की चारदीवारी का प्रस्ताव शीघ्र सरकार को भेजा जाएगा। साथ ही पावर सब-स्टेशन, संपर्क पथ निर्माण तथा मंदिर के पास स्थित अस्पताल के विस्तार का भी प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने मोतिहारी महिला आईटीआई कॉलेज परिसर स्थित टाटा एक्सीलेंस सेंटर का निरीक्षण किया, जहां उपकरणों का अवलोकन कर छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा 138 करोड़ रुपये की लागत से 30 योजनाओं का उद्घाटन एवं 34 करोड़ रुपये की लागत से 40 योजनाओं का शिलान्यास किया गया। मोतिहारी–कोटवा मार्ग पर धनौती नदी पर निर्माणाधीन पुल का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि पुल का लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और यह तय समय से सात माह पहले पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके अलावा 24 दिसंबर 2024 की प्रगति यात्रा में घोषित 12 योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिले में इब्राहिमपुर में बूढ़ी गंडक नदी, बलुआ–गुआवरी में लाल बकेया नदी पर पुल, बागमती तटबंध पर पक्की सड़क, चिरैया शांति चौक से पुरनहिया तक सड़क निर्माण सहित सीता कुंड और सोमेश्वर नाथ धाम के विकास कार्य प्रगति पर हैं। रक्सौल एयरपोर्ट विस्तार को लेकर जिलाधिकारी ने बताया कि 153 एकड़ भूमि पहले से अधिग्रहित है, जबकि अतिरिक्त 139 एकड़ भूमि का भू-अर्जन जारी है। रैयतों के भुगतान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और जल्द ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। वहीं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि विराट रामायण मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शीघ्र निरीक्षण कर वहां थाना खोलने का प्रस्ताव 2–3 दिनों के भीतर सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा के लिए पुलिस पदाधिकारी भी प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। जनता से प्राप्त शिकायतों को पंजी में दर्ज कर उनका नियमित अनुश्रवण किया जाएगा तथा सभी पदाधिकारियों को शालीन और व्यवहार कुशल तरीके से आमजन से पेश आने के निर्देश दिए जाएंगे।

बेतिया राज की जमीन पर रोक के खिलाफ किसानों की बैठक, आंदोलन की चेतावनी

बीएनएम @ तुरकौलिया

बेतिया राज एवं कोठी से प्राप्त भूमि की जमाबंदी तथा खरीद–बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध के विरोध में चम्पारण किसान मजदूर संघर्ष समिति के तत्वावधान में तुरकौलिया गांधी घाट पर पूर्वी एवं पश्चिमी चम्पारण के किसानों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए किसान नेताओं संजय कुमार सिंह एवं हरदयाल कुशवाहा ने कहा कि सैकड़ों वर्षों से किसान जिस जमीन को जोत-आबाद कर खेती करते आ रहे हैं, उसी जमीन पर बिहार सरकार ने वर्ष 2024 में नया कानून बनाकर जमाबंदी रद्द करते हुए खरीद–बिक्री पर रोक लगा दी है। किसानों को लगातार नोटिस थमाए जा रहे हैं, जिससे उनमें भय और असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। किसान नेताओं ने बताया कि बेतिया राज के प्रबंधक टी. गब्बन के नेतृत्व में इंग्लैंड की राजधानी लंदन में बेतिया राज पर 85 लाख रुपये के कर्ज अदायगी के लिए एक समझौता किया गया था, जिसके तहत साढ़े पांच लाख रुपये प्रति वर्ष राजस्व देने की शर्त पर कोठियों को दरम्यानी हकदार बनाया गया। बाद में इन्हीं कोठीदारों द्वारा किसानों से राशि लेकर बंदोबस्त कर जमाबंदी कायम की गई थी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार एवं अंग्रेजी शासन के समय कराए गए रिविजनल सर्वे में भी किसानों के नाम दर्ज हैं। साथ ही 11.11.1925 के संकल्प में स्पष्ट उल्लेख है कि जिन किसानों का ठीकेदार अथवा गैरमजरुआ मालिक की जमीन पर 30 वर्षों से कब्जा है और जिनके नाम से जमाबंदी चल रही है, उन्हें ही उस भूमि का स्वामी माना जाएगा। इसके बावजूद सरकार कानून बनाकर किसानों को बेदखल करने की कोशिश कर रही है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। बैठक में सर्वसम्मति से चम्पारण किसान मजदूर संघर्ष समिति के संगठनात्मक ढांचे का गठन किया गया, जिसमें संजय कुमार सिंह को प्रदेश अध्यक्ष, रविंद्र कुशवाहा को प्रधान महासचिव एवं रामविलास सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया।

सरस्वती पूजा पर पुलिस पहरा, एसपी स्वर्ण प्रभात ने जारी किए कड़े निर्देश

» जबरदस्ती चंदा वसूली पर भी कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और अनुशासित माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। इसे लेकर स्वर्ण प्रभात, पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एसपी ने साफ शब्दों में कहा है कि पूजा के दौरान किसी भी तरह की अराजकता, अश्लीलता या कानून व्यवस्था भंग करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने सरस्वती पूजा के अवसर पर डीजे और ऑर्केस्ट्रा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। एसपी ने चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति या समिति अश्लील गाने बजाते हुए पाई गई, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सड़कों पर अवैध चंदा वसूली करने वालों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। जबरन चंदा मांगने या राहगीरों को परेशान करने वालों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। एसपी स्वर्ण प्रभात ने यह भी स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस के किसी भी प्रतिमा का निर्माण या विसर्जन जुलूस नहीं निकाला जाएगा। सभी पूजा समितियों को निर्धारित नियमों और प्रशासनिक अनुमति का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित समिति के पदाधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी पुलिस की कड़ी निगरानी रहेगी। अफवाह फैलाने, भड़काऊ पोस्ट करने या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटने के लिए विशेष टीमों को तैयार रखा गया है। मोतिहारी पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

संक्षिप्त समाचार

बम की धमकी के बाद अलीगढ़ में रोकी गई तेजस राजधानी

बीएनएम @ पटनाः नई दिल्ली से पटना आ रही तेजस राजधानी एक्सप्रेस में देर रात बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और एहतियातन ट्रेन को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्टेशन पर रोक दिया गया। अचानक ट्रेन रुकने और पुलिस की भारी तैनाती से यात्रियों के बीच दहशत फैल गई।रेलवे सुरक्षा बल (RPF), जीआरपी, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने संयुक्त रूप से करीब 31 मिनट तक ट्रेन के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। कोच, टॉयलेट और यात्रियों के सामान की बारीकी से जांच की गई। आरपीएफ कमांडिंग ऑफिसर गुलजार सिंह के नेतृत्व में चले इस सर्च ऑपरेशन में कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।अधिकारियों ने बताया कि बम की धमकी महज एक अफवाह निकली, लेकिन सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जांच अनिवार्य थी। संतुष्टि के बाद ट्रेन को पटना के लिए रवाना कर दिया गया। पुलिस अब धमकी देने वाले शरारती तत्वों की पहचान करने में जुटी है, ताकि उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके।

हार से सबक लेकर 'री-स्टार्ट' मोड में राजद, बजट सत्र में दिखेगा आक्रामक तेवर

बीएनएम @ पटना। बिहार विधानसभा के आगामी बजट सत्र से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के खेमे में बड़ी हलचल शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को पटना स्थित अपने आवास पर पार्टी के सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ हाई-प्रोफाइल बैठक की। हालिया विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार और विदेश यात्रा से लौटने के बाद तेजस्वी की इस सक्रियता को संगठन के भीतर "री-स्टार्ट मोड" के रूप में देखा जा रहा है।बैठक में तेजस्वी ने स्पष्ट कर दिया कि पार्टी अब रक्षात्मक के बजाय आक्रामक रणनीति अपनाएगी। चर्चा का मुख्य केंद्र चुनावी हार की समीक्षा, संगठन की मजबूती और सरकार को सदन से सड़क तक घेरने की योजना रही। तेजस्वी ने नेताओं से फीडबैक लिया और संकेत दिए कि संगठनात्मक ढांचे में जल्द ही बड़े बदलाव किए जाएंगे। बजट सत्र के दौरान महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर सरकार पर दबाव बनाने की ठोस रणनीति तैयार की गई है।राजद प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने बैठक के बाद कहा कि पार्टी अब नई ऊर्जा के साथ मैदान में उतरेगी। 25 सीटों पर सिमटने के बाद तेजस्वी यादव अब खुद बिहार के विभिन्न इलाकों का दौरा कर सीधे जनता और कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। विपक्ष की इस सक्रियता से साफ है कि आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति फिर से गर्माने वाली है।

मात्र 7% ब्याज पर महिलाओं को मिलेगा 10 लाख तक का ऋणः श्रवण कुमार

बीएनएम @ पटना। बिहार की नीतीश सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाने जा रही है। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने घोषणा की है कि जीविका से जुड़ी महिलाएं, जो अब तक छोटे स्वरोजगार तक सीमित थीं, उन्हें अब बड़े व्यवसाय स्थापित करने के लिए 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ब्याज दर है। महिलाओं को यह ऋण मात्र 7 प्रतिशत ब्याज पर मिलेगा, जिससे वे बिना भारी आर्थिक बोझ के बड़े उद्यमिता क्षेत्रों में कदम रख सकेंगी। मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना का लाभ "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर दिया जाएगा, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी रहे।सरकार की रणनीति महिलाओं को केवल घरेलू उद्योगों तक सीमित न रखकर उन्हें बड़े स्तर पर 'बिज़नेस लीडर' बनाने की है। इसके साथ ही, जिन महिलाओं ने 10 हजार रुपये की शुरुआती सहायता से सफल काम किया है, उन्हें अब 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता देने की तैयारी चल रही है। श्रवण कुमार के अनुसार, बिहार देश का पहला राज्य है जहाँ जीविका के माध्यम से महिलाओं को इतना मजबूत संस्थागत आधार मिला है। इस पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव की उम्मीद है।

जनप्रतिनिधि व सरकारी उदासीनता की भेंट चढ़ी हरसिद्धि में खेती

वर्षों से ठप नलकूपों ने तोड़ी किसानों की कमर

राकेश कुमार
सब- एडिटर-
बॉर्डर न्यूज मिरर

'' सब्जी उत्पादन में अव्वल प्रखंड, सिंचाई में सबसे बदहाल — पंपसेट, महंगा डीजल और झूठे दावों के बीच कराह रहे किसान ''

जिस हरसिद्धि प्रखंड को पूर्वी चंपारण का सब्जी का कटोरा कहा जाता है, वही आज सिंचाई संकट का सबसे बड़ा शिकार बना हुआ है। सरकारी दावों और फाइलों में योजनाएं चल रही हैं, लेकिन जमीन पर तस्वीर ठीक उलट है। वर्षों से सरकारी नलकूप और स्टेट ट्यूबवेल ठप पड़े हैं और किसान प्रशासनिक उदासीनता की कीमत अपनी फसल और आमदनी से चुका रहे हैं।

बता दें कि हरसिद्धि पकड़िया समेत सभी उन्नीस पंचायतो में स्थित सरकारी नलकूप कितने हैं या कब से बंद हैं, इसका ठीक-ठीक जवाब न तो प्रखंड प्रशासन के पास है और न ही जनप्रतिनिधियों के पास। नतीजा यह है कि किसान मजबूरी में निजी पंपसेट और मोटर के सहारे सिंचाई कर रहे हैं। डीजल के बढ़ते दाम और बिजली कनेक्शन की कमी ने खेती को घाटे का सौदा बना दिया है। गरीब और मध्यम किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कई खेतों में खड़ी सब्जी और रबी की फसलें पानी के अभाव में सूख रही हैं, तो कई किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। समय पर सिंचाई न मिलने से उत्पादन घट रहा है, लागत बढ़ रही है और किसान कर्ज के दलदल में धंसते जा रहे हैं।

किसानों का आरोप है कि उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से लेकर प्रखंड और जिला स्तर तक कई बार शिकायत की, लेकिन हर बार आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला। चुनाव आते ही नलकूप दुरुस्त कराने के वादे किए जाते हैं, लेकिन मतदान खत्म होते ही वही नलकूप फिर से सिस्टम की कब्र में दफन कर दिए जाते हैं।

हरसिद्धि पकड़िया पंचायत के किसान गिरीश सिंह, मोहन सिंह, हेम नारायण सिंह, रवि प्रकाश राम, विनोद कुशवाहा, मोहम्मद जान मियां सहित कई किसानों ने साफ कहा कि अगर सिंचाई व्यवस्था जल्द दुरुस्त नहीं हुई तो सब्जी उत्पादन के लिए पहचाना जाने वाला यह इलाका जल्द ही खेती छोड़ने को मजबूर हो जाएगा। मामला यहीं नहीं थमता। वार्ड चार निवासी और राजद नेता अरुण सिंह का कहना है कि पंचायत के कई वार्डों में नल-जल योजना भी ठप पड़ी है। कागजों में प्रखंड को योजनाओं का सबसे बड़ा लाभार्थी बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत में ग्रामीण बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। उन्होंने इसे "नाम बड़े, दर्शन छोटे" की जिंदा मिसाल बताया।

सवाल सीधा है—जब योजनाएं हैं, बजट है और दावे भी हैं, तो फिर हरसिद्धि के किसानों को पानी क्यों नहीं? सरकारी नलकूप आखिर किसके इंतजार में जंग खा रहे हैं? किसान अब आश्वासन नहीं, कार्रवाई चाहते हैं।

तुरकौलिया में सड़क हादसा, बुलेट सवार युवक की मौत

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया–छपवा मुख्य सड़क पर नरियरवा कब्रिस्तान के पास बुलेट बाइक और ईंख लदे ट्रैक्टर की आमने-सामने टक्कर में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब ईंख लदा ट्रैक्टर महनवा चौक की ओर से छपवा जा रहा था, जबकि विपरीत दिशा से बुलेट बाइक आ रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया और ट्रैक्टर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान मझौलिया थाना क्षेत्र के बखरिया सोनारटोली निवासी 27 वर्षीय आदर्श कुमार के रूप में हुई है, जो अपने घर से कोटवा स्थित ससुराल जा रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजने की प्रक्रिया में जुट गई। पुलिस फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश में भी कार्रवाई कर रही है।

भाजपा नेता के खिलाफ गैर-जमानती वारंट, 36 लाख की ठगी का है आरोप

» दोबारा खुलेंगे बीसीए के घोटाले

बीएनएम @ पटना

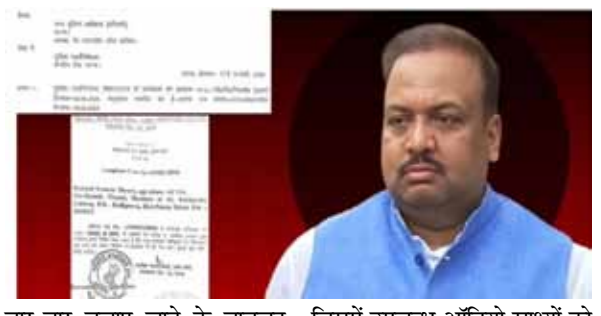

बिहार भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष और बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) के पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पटना की एक अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है, वहीं बिहार पुलिस की विशेष जांच समिति ने क्रिकेट प्रशासन से जुड़े पुराने आपराधिक मामलों को फिर से खोलने की सिफारिश कर दी है। राकेश तिवारी पर एक विज्ञापन कंपनी से 36 लाख रुपये की ठगी का गंभीर आरोप है। पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में दर्ज शिकायत के अनुसार, नगर निगम की फर्जी एनओसी दिखाकर सीसीटीवी और विज्ञापन डिस्प्ले का काम दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की गई। अदालत द्वारा बार-बार बुलाए जाने के बावजूद पेश न होने पर अब पुलिस को उनकी गिरफ्तारी के कड़े निर्देश दिए गए हैं।इसी के साथ, बिहार पुलिस की विशेष जांच समिति ने क्रिकेट प्रशासन में हुए बड़े भ्रष्टाचार का भी खुलासा किया है। समिति ने पाया कि दो गंभीर मामलों में पहले की जांच में भारी लापरवाही बरती गई थी। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक मामले में आरोप है कि दूसरे राज्यों के खिलाड़ियों से पैसे लेकर फर्जी डोमिसाइल के आधार पर उन्हें बिहार टीम में शामिल किया गया, जिसमें उपलब्ध ऑडियो साक्ष्यों को नजरअंदाज किया गया था। वहीं, श्रीकृष्णापुरी थाने के एक अन्य मामले में बीसीए कोषाध्यक्ष की मृत्यु के बाद भी उनके फर्जी हस्ताक्षर से बैंक से पैसे निकालने का संगीन आरोप है, जिसे पहले "तथ्य की भूल" बताकर बंद कर दिया गया था। राकेश तिवारी के बाद उनके पुत्र हर्षवर्धन के बीसीए अध्यक्ष बनने से इस पूरे प्रकरण में राजनीति और क्रिकेट के गठजोड़ पर बहस तेज हो गई है और यह मामला अब विधानसभा में भी गूंजने लगा है।

कागजों में अटकी फाइल, हकीकत में ठहरा विकास, रामपुर खजुरिया की पीड़ा

» सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई : प्रखंड बनने की दहलीज पर रामपुर खजुरिया
» पन्द्रह वर्षों की मांग, 12 किमी की दूरी और विकास की कहानी अधूरी

बीएनएम @ डुमरियाघाट @ अमित कुमार सिंह

थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर खजुरिया आज भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ने की आस में टकटकी लगाए बैठा है। वर्षों से प्रशासनिक उपेक्षा, दूरी की मार और बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे इस इलाके की जनता के मन में बस एक ही सवाल गूंज रहा है।"क्या रामपुर खजुरिया प्रखंड बन पाएगा?" पिछले पंद्रह वर्षों से उठ रही यह आवाज अब केवल प्रशासनिक इकाई की मांग नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई का रूप ले चुकी है।

दूरी बनी सबसे बड़ी बाधा : स्थानीय लोगों के अनुसार वर्तमान में प्रखंड मुख्यालय केसरिया तक पहुंचने के लिए उन्हें लगभग 12 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। प्रमाण पत्र बनवाने, भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, न्यायिक और अन्य सरकारी कार्यों के लिए बार-बार मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसका सबसे अधिक असर बुजुर्गों, महिलाओं और विद्यार्थियों पर पड़ता है। समय, पैसा और श्रम तीनों की भारी बर्बादी क्षेत्र के विकास में बड़ी बाधा बनी हुई है।

जनसंख्या और भौगोलिक स्थिति प्रखंड बनने के लिए उपयुक्त : रामपुर खजुरिया और आसपास के दर्जनों गांवों की जनसंख्या, भौगोलिक विस्तार और प्रशासनिक जरूरतें प्रखंड गठन के मानकों पर पूरी तरह खरी उतरती हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि यदि इसे प्रखंड का दर्जा मिलता है, तो कई पंचायतों को सीधा लाभ मिलेगा और प्रशासनिक सेवाएं लोगों के द्वार तक पहुंच सकेंगी।

प्रखंड बनने से खुलेगा विकास का रास्ता : प्रखंड गठन के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, कृषि और रोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। स्थानीय स्तर पर प्रखंड व अंचल कार्यालय सहित अन्य विभागीय इकाइयों की स्थापना से न सिर्फ प्रशासन मजबूत होगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। क्षेत्र में निवेश और आधारभूत ढांचे के विस्तार की संभावनाएं भी प्रबल होंगी।

पंद्रह वर्षों का संघर्ष, फिर भी ठोस नतीजा नही : प्रखंड निर्माण संघर्ष समिति के सह-पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष पंडित चंद्रकिशोर मिश्रा बीते पंद्रह वर्षों से लगातार प्रखंड गठन की मांग सरकार के समक्ष रखते आ रहे हैं। केसरिया और संग्रामपुर पंचायत समिति सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पारित कर छह वर्ष पूर्व जिलाधिकारी को सौंपा जा चुका है। सरकार के मंत्रियों द्वारा कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर आज तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी।

अब आर-पार की लड़ाई के मूड में जनता : स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी, सांसद, विधायक और राज्य सरकार से मांग की है कि रामपुर खजुरिया को केवल कागजों में सीमित न रखा जाए। जनता चाहती है कि वर्षों से लंबित इस मांग पर यथाशीघ्र निर्णय लेकर रामपुर खजुरिया को प्रखंड का दर्जा दिया जाए, ताकि यह क्षेत्र भी विकास की दौड़ में शामिल हो सके।

नौतन थाना में एसपी का जनता दरबार, जमीन विवादों पर सख्त रुख

बीएनएम @ नौतन @ त्रिलोकी राय

नौतन थाना परिसर में बुधवार को पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने जनता दरबार लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान सैकड़ों फरियादी अपनी-अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। जनता दरबार में सबसे अधिक मामले जमीन विवाद से जुड़े सामने आए, जिनमें वर्षों से लंबित विवाद, आपसी बंटवारे, कब्जा और मारपीट की शिकायतें प्रमुख रहीं। एसपी शौर्य सुमन ने एक-एक कर फरियादियों की बातें गंभीरता से सुनीं और संबंधित पदाधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जमीन विवादों में कानून के अनुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अनावश्यक तनाव और आपराधिक घटनाओं को रोका जा सके। कई मामलों में अंचल और थाना स्तर पर समन्वय बनाकर समाधान निकालने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार के बाद एसपी ने नौतन थाना का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान थाना अभिलेखों, लंबित कांडों की स्थिति, फरियादी पंजी और साफ-सफाई की व्यवस्था की समीक्षा की गई। निरीक्षण में पाई गई खामियों को लेकर थाना प्रभारी को कड़ी फटकार लगाई गई और कार्यशैली में सुधार के सख्त निर्देश दिए गए। एसपी ने कहा कि थाने में आने वाला हर व्यक्ति सम्मानपूर्वक सुना जाए और उसकी समस्या का निष्पक्ष समाधान हो। एसपी ने यह भी दोहराया कि जनता दरबार का उद्देश्य पुलिस और आम लोगों के बीच विश्वास बढ़ाना है। उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समयबद्ध और न्यायसंगत समाधान किया जाएगा। जनता दरबार में पुलिस पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

तुरकौलिया में यूरिया खाद की कालाबाजारी चरम पर, किसान लूटे जाने को मजबूर

बीएनएम @ तुरकौलिया

प्रखंड क्षेत्र में यूरिया खाद की कालाबाजारी चरम पर पहुंच गई है। सरकारी गोदामों में यूरिया की कमी का लाभ उठाकर निजी खाद दुकानदार मनमानी कीमत पर यूरिया बेच रहे हैं, जिससे किसान भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। किसानों को एक बोरी यूरिया 400 रुपये तक में खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जबकि इसका सरकारी मूल्य 267 रुपये निर्धारित है। किसानों विनय कुमार सहनी, सागर कुमार पटेल, विनु श्रीवास्तव, रविभूषण कुमार, शिवशंकर साह, मोहम्मद कैश, आबिद अली, मुकेश कुमार, अजमल कमाल, अजय पंडित, आरिफ आलम, अजय सहनी एवं मुन्ना आलम सहित अन्य किसानों ने बताया कि कई दुकानदारों द्वारा यूरिया देने के नाम पर एक किलो जिंक एवं एक किलो सल्फर खरीदना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि किसान इन अतिरिक्त उत्पादों को नहीं खरीदते हैं तो उन्हें यूरिया खाद नहीं दी जाती। किसानों का कहना है कि अधिकांश दुकानदार 350 से 400 रुपये प्रति बोरी की दर से यूरिया बेच रहे हैं, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि जब इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से शिकायत की जाती है तो जांच और कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत करा दिया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में कोई सुधार नहीं होता। इससे किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। वहीं इस संबंध में प्रखंड कृषि पदाधिकारी हिमांशु कुमार ने बताया कि उन्हें यूरिया खाद अधिक मूल्य पर बेचे जाने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि जांच के दौरान शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बसंत पंचमी पर सख्तीः अरेराज और गोविंदगंज में डीजे व अश्लील गानों पर पूर्ण प्रतिबंध

बीएनएम @ अरेराज/गोविंदगंज

आगामी बसंत पंचमी के पर्व को शांतिपूर्ण, श्रद्धामय और अनुशासित माहौल में संपन्न कराने को लेकर अरेराज और गोविंदगंज थाना परिसरों में शांति समिति की बैठकें आयोजित की गईं। दोनों जगह पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि पर्व की गरिमा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अरेराज थाना परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने की। उन्होंने साफ निर्देश दिया कि पर्व के दौरान डीजे बजाने तथा अश्लील गानों के प्रसारण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तय है। उन्होंने बताया कि पर्व के दिन नगर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इस मौके पर सर्किल इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष रंटू पांडेय, एसआई राजेश तिवारी, एसआई जितेंद्र सिंह, वार्ड पार्षद झुना पाण्डेय सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं गोविंदगंज थाना में थानाध्यक्ष राजू मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी प्रशासन सख्त तेवरों में नजर आया। थानाध्यक्ष ने दो टूक चेतावनी दी कि पूजा के दौरान डीजे, अश्लील या भड़काऊ गीतों पर पूरी तरह रोक रहेगी। किसी भी पूजा समिति द्वारा नियमों की अनदेखी किए जाने पर तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर सभी प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त और अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखने का निर्णय लिया गया। दोनों बैठकों में प्रशासन ने आम जनता और पूजा समितियों से अपील की कि वे बसंत पंचमी को शालीनता, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी

पैक्स सिलिका का मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला, जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसको लेकर अभी कई अस्पष्टताएं हैं। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली पहुंचने पर भारत को जो 'उपहार दिया, वह एक सांत्वना पुरस्कार ही है। राजदूतों का काम संबंधित देश में अपने मुल्क के लिए सद्भावना निर्मित करना भी होता है, तो गोर ने भारतीय कानों को सुहावनी लगने वाली बातें कहीं। साथ ही एलान किया कि भारत को अगले महीने पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नौ देशों को शामिल करते हुए इस गठबंधन का एलान किया, तो उससे भारत में मायूसी का माहौल बना था। ट्रंप ने उसमें अपने देश के अलावा क्वॉड के दो सदस्य देशों- जापान एवं ऑस्ट्रेलिया को शामिल किया। साथ ही आई2यू2 समूह के देशों इजराइल और यूएई को भी उसमें रखा। मगर इन दोनों समूहों के सदस्य भारत को उससे बाहर रखा गया। इन देशों के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स इसके बाकी सदस्य हैं। इसका मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के मामलों में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसमें निवेश और जिसकी कार्य प्रणाली को लेकर अभी तमाम किस्म की अस्पष्टताएं हैं। अब ट्रंप ने अपने राजदूत के जरिए इसकी सदस्यता का उपहार भारत को भेजा है। मगर इस समूह की परिकल्पना भारत की जरूरतों के हिसाब से नहीं की गई है। हकीकत यह है कि जो सप्लाई चेन ट्रंप चाहते हैं, उसकी तुरंत आवश्यकता अमेरिका को है। रेयर अर्थ खनिजों के क्षेत्र में निर्भरता के कारण उन्हें चीन के खिलाफ सख्त व्यापारिक कार्रवाइयां वापस लेनी पड़ी हैं। इसलिए वे अपने "सहयोगी" देशों की मदद से चीन पर निर्भरता घटाना चाहते हैं। जबकि भारत की फौरी जरूरत अमेरिका के साथ अनुकूल व्यापार समझौता है। उसमें मामला जहां का तहां अटका हुआ है। इस बारे में गोर ने इतना भर बताया कि वार्ता जारी है। इस बीच ट्रंप ने ईरान से कारोबार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। उससे भारत भी प्रभावित होगा।

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है। बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी

बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था। इन परिणामों ने यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

'मनरेगा' और 'विकसित भारत जी राम जी'

हृदयनारायण दीक्षित

कांग्रेस 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान चला रही है। कांग्रेस बीते 11 वर्षों से सत्ताहीन है। अच्छी बात है कि कांग्रेस ने केन्द्र का विरोध करने के लिए सड़क पर आने का निर्णय लिया है। रोजगार योजनाएं गरीबों की आय बढ़ाने की दृष्टि से चलाई गई हैं। कोई भी व्यवस्था जड़ नहीं होती। देशकाल की गति में जीर्ण-शीर्ण और पुराना विस्थापित होता है। नया उसकी जगह लेता रहता है। भाजपा ने कांग्रेस को विस्थापित किया। वह पुरानी होने के साथ-साथ ध्येयनिष्ठ भी नहीं रही। जन समर्थन घटा। भाजपा ने कांग्रेस को विस्थापित कर दिया। कांग्रेस मनरेगा को लेकर अपना रोना रो रही है। मनरेगा में कानूनी तौर पर रोजगार पाने की गारंटी थी लेकिन प्रमुख विपक्षी दल होने के बावजूद वह नए वी.बी.जी राम जी एक्ट का विरोध कर रही है। देखना यह चाहिए कि राजग सरकार द्वारा लाए गए नए अधिनियम की अच्छाइयां बुराइयां क्या हैं? आइए नए अधिनियम वी.बी.जी राम जी की खास विशेषताएं जान लें। इस अधिनियम द्वारा ग्रामीण परिवारों के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत कार्य दिवसों को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन प्रतिवर्ष कर दिया गया है। अभी तक लागू कानून में मजदूरी देने की कोई सुनिश्चित अवधि नहीं थी। लेकिन नए अधिनियम में 15 दिन के भीतर मजदूरी का भुगतान जरूरी बताया गया है। ऐसा न किए जाने पर मजदूरों को पांच प्रतिशत की दर से प्रतिदिन ब्याज मिलेगा। रोजगार प्राप्त करने के 15 दिनों के भीतर काम न मिलने पर भी बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान किया गया है। भारत में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों का बड़ा हिस्सा मजदूरी के लिए महानगरों की ओर रुख करता है। सड़क के किनारे सोता है। सुबह प्रतीक्षा करता है कि कोई मकान बनाने वाला, दुकान चलाने वाला उसको दिनभर का काम दे दे। गांव में रोजगार के अवसर नहीं हैं। खेत मजदूर की मोलभाव करने की क्षमता नहीं होती है। बड़े-बड़े महानगरों में मजदूरों के मार्केट लगते हैं। वहां से लोग कम पैसे में तय करके मजदूर लाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों की व्यथा सिर्फ आंकड़ों से नहीं जानी जा सकती। ताजा 'वी बी राम जी' योजना ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों के लिए सुखद आश्वासन है। भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि अभी भी घाटे का सौदा है। पीछे लगभग 28 वर्षों से किसानों को किसान क्रेडिट योजना के माध्यम से कृषि कार्य के लिए ऋण दिया जाता है। योजना अच्छी है। ऋण लेकर बुवाई आदि के सीजन में खाद-पानी देने के लिए पूँजी उपलब्ध कराने की योजना अच्छी है। तमाम योजनाएं अच्छी तो हैं लेकिन किसानों को उनकी जानकारी नहीं है। गांव में रोजगार के अवसर नहीं हैं। पढ़े-लिखे युवा भी शहर भागते हैं। रोजगार योजनाओं का इतिहास दिलचस्प है। यह योजना सबसे पहले स्थानीय कठिनाइयों के चलते साल 1970 में महाराष्ट्र में लागू हुई थी। तब इसे 'महाराष्ट्र रोजगार गारंटी योजना' कहा गया। साल 1980 में भारत की पहली केन्द्रीयकृत योजना लागू हुई। भ्रष्टाचार के कारण योजना का लाभ नहीं मिला। योजनाओं का धन बिचैलिए मार देते थे। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ आई जवाहर रोजगार योजना। यह भी अपने उद्देश्यों में असफल रही। इसका फिर नाम बदला और इसे 'नरेगा' नाम से जाना गया। फिर साल 2008 में यह 'मनरेगा' हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की योजनाएं इसी तरह असफल होती गईं। भारत की मिट्टी में उपजाऊ शक्ति ज्यादा है। कृषि कार्य में गरीब परिवार जुटे रहते हैं। सभी सदस्य काम करते हैं। तब किसी प्रकार गरीब परिवार चलता है। बुवाई और फसल कटाई के समय के दौरान 60 दिनों का अवकाश रखा गया है। इससे लाभ यह होगा कि कृषि कार्यों के लिए भी श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी। ग्राम सभाएं बुनियादी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। ग्राम स्वराज गांधीजी का स्वप्न था। भारत की संविधान सभा में ग्राम पंचायत के गठन पर लंबी बहस हुई थी। ज्यादातर सदस्यों ने ग्राम पंचायत को स्वायत्तशासी और आत्मनिर्भर बनाने का आग्रह किया था। डॉ. आम्बेडकर ने कहा था कि, "ग्राम पंचायतें मेरे विचार से स्थानीय कलह का अड्डा होंगी।" पीछे 10-12 साल में सरकारी स्तर पर ग्राम पंचायतों को विकसित और समृद्ध बनाने की मद पर भारी व्यय हुआ है। निःसंदेह कहीं-कहीं कुछ ग्राम पंचायतों ने बहुत अच्छा काम किया है लेकिन तमाम ग्राम सभाओं द्वारा विकास कार्यों की धनराशि को हड़पने का भी काम किया है। विकसित ग्राम पंचायत योजना का विकास स्थानीय संस्थाओं द्वारा किया जाना है। ये सब करने के लिए समय-समय पर प्रशासनिक खर्च भी आता है। योजनाओं के ठीक से कार्यान्वयन में व्यय होने वाले धन को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है। वैसे तो इस योजना का उद्देश्य लोगों को रोजगार देना है। गांव में सरकारी स्तर पर सेवा देने वाले कोई कार्यालय नहीं हैं। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में पंचायत भवन बनाए गए हैं। इसके लिए अलग बजट का प्रावधान करना होता है। ऐसी संपत्ति का निर्माण इसी रोजगार अधिनियम के अंतर्गत चार मुख्य क्षेत्र में केन्द्रित किया गया है। रोजगार योजना के धन से ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। खेत मजदूर पलायन नहीं करेंगे और श्रमिकों को रोजगार मिलेगा और इसी धन से जल संरक्षण जैसे कार्य किए जा सकेंगे। जल आपूर्ति को लेकर अक्सर शिकायतें रहती हैं। उत्तर प्रदेश में अनेक जिले प्रदूषित जल के कारण पेयजल संकट में हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद में बलाई, निबई, टिकरी गणेश, आटा, सुपासी, रामचरामऊ, लखापुर, बंथर, अनूपपुर, खटुहा नौगवा, रिठानई, बण्ड हमीरपुर, सलेथू, गढ़ाकोला, कतहर आदि गांवों में सरकार ने स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की है। लेकिन काम अभी बाकी है। जल की आवश्यकता को लेकर ही इंदौर में काफी बवाल हुआ है। कांग्रेस ने इंदौर में आंदोलन किया। इन पंक्तियों के प्रेस में जाने तक राहुल गाँधी कुछ लोगों के साथ इंदौर में प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'हर घर नल' नामक महत्वाकांक्षी योजना और उसका क्रियान्वयन किया। जल निकासी की योजना भी इसी धन से बनाई जा सकेगी।

अमन-शांति, सुरक्षा और प्रगति के लिए आपसी संवाद ज़रूरी

प्रो. जसीम मोहम्मद

पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपालजी को सुनने का अवसर मिला। उन्होंने स्पष्ट रूप से इस बात पर ज़ोर दिया कि हिंदू-मुसलमानों के बीच आपसी संवाद का मकसद मुसलमानों को आरएसएस के नज़रिए को मानने के लिए बाध्य करना नहीं है, बल्कि उनकी चिंताओं और कठिनाइयों को ईमानदारी से समझना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय समाज की संवाद परंपरा यह मानती है कि हर तर्क में कुछ सचाई होती है। आपस में सिर्फ़ एक-दूसरे पर आरोप लगाने या अलग-अलग पक्षों द्वारा सांप्रदायिक उन्माद की घटनाओं का उल्लेख करने से कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने यह उल्लेख किया कि सांप्रदायिक तनाव की असली जड़ "दूसरों को अलग-थलग करने" में है, जबकि समावेशी स्वरूप में समाज को एकजुट करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक घटनाएँ कारण नहीं बल्कि लक्षण हैं। हिंदुओं से भी शिकायतें हैं, उनमें भी कमियाँ है, जिन्हें ईमानदारी और पारदर्शिता से दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि असल में युवा पेशेवरों को कौन कट्टरपंथी बनाता है? उन्होंने चेतावनी दी कि चरमपंथी घटनाओं के बाद अक्सर निर्दोष मुसलमानों को गलत तरीके से निशाना बनाया जाता है- जैसे किराए आदि पर उन्हें घर देने से मना करना या पेशेवर जाँच। इनसे अविश्वास और गहरा होता है और अनसुलझी ऐतिहासिक शिकायतें फिर से उभर आती हैं। यह मानते हुए कि ज़्यादातर मुसलमान राष्ट्रवादी हैं, उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस पहचान को खुले तौर पर ज़ाहिर करने में हिचकिचाते हैं। इस अवसर पर कृष्णगोपाल जी ने जवाहरलाल नेहरू के सन् 1948 ई. में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने के आह्वान को याद किया। उन्होंने यह कहते हुए बात खत्म की कि इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता। संवाद में हिस्सा लेनेवाले सिर्फ़ उत्प्रेरक का काम कर सकते हैं। सच्ची सद्भावना तभी पैदा होगी जब हिंदू और मुसलमान दोनों ईमानदारी और आपसी सद्भावना के साथ आगे आएँगे। डॉ. कृष्ण गोपालजी का यह विचार स्वाभाविक रूप से हमें एकता के अर्थ के बारे में एक बड़े और ज़्यादा स्थायी सवाल की ओर ले जाता है। अगर संवाद का मकसद "दूसरों को अलग-थलग करने" को कम करना और शक की जगह समझ पैदा करना है, तो एकता को विश्वास की समानता या तौर-तरीकों की एकरूपता के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। इसके बजाय, इसे अलग-अलग धर्मों, विचारों और जीवन जीने के तरीकों वाले लोगों की गरिमा और आपसी सम्मान के साथ एक साथ रहने की क्षमता के रूप में समझा जाना चाहिए। एकता का मतलब ज़रूरी नहीं कि सभी के लिए एक जैसा साझा विचार/प्रार्थना/जीवनशैली हो बल्कि इसका मतलब है कि हर किसी को यह समझ हो कि जो लोग उनसे अलग सोचते हैं/काम करते हैं और रहते हैं, उनके साथ शांति और आपसी सम्मान से कैसे रहा जाए। इसका एक उदाहरण भारत जैसे देश का है, जहाँ कई अलग-अलग धर्म, संस्कृति, भाषाएँ और रीति-रिवाज साथ-साथ मौजूद हैं। हम भारतीयों के लिए समग्र रूप से एकता की भावना के माध्यम से अपने रिश्ते को मज़बूत करना महत्वपूर्ण है, जिससे देश में शांति बनी रहे। समाज में आपसी एकता की कमी से छोटे-मोटे मतभेद गंभीर चिंता या झगड़ों में बदल सकते हैं। इसके विपरीत, अगर लोगों के बीच आपसी एकता और समन्वय का मज़बूत रिश्ता हो, तो वे छोटे-बड़े मतभेदों को समझदारी और इज़्ज़त के साथ सुलझा पाएँगे। भारत का इतिहास स्पष्ट रूप से दिखाता है कि सामाजिक विविधता कोई कमज़ोरी नहीं है। हज़ारों सालों से इस देश ने अलग-अलग धर्मों और विचारों का स्वागत किया है। हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म, सिख धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और कई दूसरी परंपराएँ यहाँ फली-फूली हैं और रोज़मर्रा की ज़िंदगी, खानेपीने, कपड़ों, भाषा और मूल्यों में एक-दूसरे को प्रभावित किया है। यह साझा सभ्यता और संस्कृति का सफर साबित करता है कि भारत में साथ रहना ज़बरदस्ती नहीं है; यह स्वाभाविक है। एकता और आपसी सम्मान पर यह ज़ोर राष्ट्रीय नेतृत्व के सबसे ऊंचे स्तर पर भी दिखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि भारत की वास्तविक शक्ति हर नागरिक को धर्म की पूरी आज़ादी देने में है। उन्होंने साफ कहा है कि हर व्यक्ति को बिना किसी ज़बरदस्ती या दबाव के अपनी पसंद का धर्म मानने, बनाए रखने या अपनाने का पूरा-पूरा अधिकार है। साथ ही, उन्होंने मज़बूती से कहा है कि किसी भी धार्मिक समूह को- चाहे वह बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, खुलेआम या चुपके से नफ़रत फैलाने या सामाजिक सद्भाव को ज़हर देने का कोई अधिकार नहीं है। यह संतुलित तरीक़ा, जो धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है और नफ़रत और बंटवारे के खिलाफ एक साफ लाइन खींचता है, संवैधानिक मूल्यों और सभ्यता की नैतिकता में निहित शासन के दर्शन को दिखाता है। आस्था की स्वतंत्रता और सांप्रदायिक भड़कावे के लिए ज़ीरो टॉलरेंस दोनों पर ज़ोर देकर प्रधानमंत्री ने लगातार अंतर-धार्मिक सद्भाव को शांति, राष्ट्रीय एकता और भारत की लंबी अवधि की प्रगति के लिए एक ज़रूरी स्तंभ के रूप में बढ़ावा दिया है। सामाजिक समरसता और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने की इसी भावना के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी भारत में अलग-अलग विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सम्मान की आवश्यकता के विषय में बात की है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया है कि सामाजिक सद्भाव भारत की एकता और अखंडता की नींव है। हमें विविधता को बाँटना नहीं चाहिए बल्कि अलग-अलग धर्मों और पृष्ठभूमि के लोगों के बीच आपसी संबंधों को और भी मज़बूत करना चाहिए। भागवत ने सभी समुदायों के लोगों से सद्भावना के साथ मिलकर रहने का आग्रह किया है, यह देखते हुए कि सामूहिक सद्भावना और समझ ने भारतीयों को अलग-अलग मान्यताओं और प्रथाओं के बावजूद शांति से एक साथ रहने में मदद की है। यहाँ यह विचारणीय है कि सच्ची शांति का मतलब है कि लोग अपनी पहचान में सुरक्षित महसूस करें। इसका मतलब है कि माता-पिता को अपने बच्चों के लिए डर न हो, पड़ोसी एक-दूसरे पर भरोसा करें और सभी समुदाय स्वयं को सम्मानित महसूस करें। अंतर धार्मिक सद्भाव, शक को कम करके और उसकी जगह समझ पैदा करके सुरक्षा की यह भावना पैदा करता है। जब लोग एक-दूसरे से बात करते हैं, तो डर धीरे-धीरे स्वतः समाप्त हो जाता है। लगातार तनाव के माहौल में उन्नति या प्रगति नहीं हो सकती। जब समुदाय बँटे होते हैं तो विकास के बजाय संघर्ष में ऊर्जा बर्बाद होती है। एक आत्मविश्वासी धर्म बातचीत से खतरा महसूस नहीं करता। ऐतिहासिक दस्तावेज़ एवं घटनाक्रम हमें दिखाते हैं कि सांप्रदायिक सद्भाव वाले सह-अस्तित्व को विभिन्न प्रयासों से बनाए रखना चाहिए, न कि इसे अपने आप बन जाने की अपेक्षा के लिए छोड़ देना चाहिए। अगर संबंधित सभी पक्षों के बीच आपसी रचनात्मक बातचीत का कोई भी अवसर उपलब्ध नहीं है, तो इसके कारण और अधिक गलतफहमियाँ पैदा होंगी। इसलिए, यह ज़रूरी है कि धार्मिक नेता, विद्वान और आम जनता एक-दूसरे के साथ नियमित बातचीत और संवाद करें; यह किसी भी गलतफहमी को बड़े बँटवारे या दरार में बदलने से रोकने में सहायता मिल सकती है।

आज का राशिफल

मेष राशि – आज आपका दिन शानदार रहने वाला है आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। अपने माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वे आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृष राशि – रुका हुआ धन का आज आगमन होगा । आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। रुका हुआ धन का आज आगमन होगा। आपको वाहन सुख मिलेगा। आप अपने सभी खर्चों को पूरा करने में सक्षम रहेंगे।

मिथुन राशि – आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा। आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति डेडिकेशन होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे अच्छा महसूस करेंगे। आज खास कार्य पूरा होने की संभावना है।

कर्क राशि – आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा। आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आज घर में शुभ समाचार मिलने के योग हैं, दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा।

सिंह राशि – मानसिक उलझनों का निवारण होगा। आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक उलझनों का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और आपका सम्मान भी बढ़ेगा।

कन्या राशि – सेहत का रखें ध्यान । आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, मौसम में परिवर्तन की वजह से थोड़ी परेशानी हो सकती है। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा, लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बना के रखें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

तुला राशि – आपके द्वारा लिए गए निर्णय सकारात्मक और फायदेमंद रहेंगे। आज आपका दिन आपकी माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप नयी जमीन से संबंधित लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें। पारिवारिक मनोरंजन संबंधी यात्रा का प्रोग्राम बनेगा जिससे बच्चे आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सकारात्मक और फायदेमंद रहेंगे।

वृश्चिक राशि - आमदनी में आज इजाफा होगा। आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। आज बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताये। आज पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

धनु राशि – आज आपका स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने की वजह अपनी बुद्धि बल और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे। कुछ समय प्रैक्टिकल और प्रभावशाली लोगों के साथ व्यतीत करने से आपके स्वभाव में परिवर्तन आएगा।

मकर राशि – आज सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव हो सकता है। आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज आपको अपने व्यवहार में कुछ सुधार लाने की भी जरूरत है क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी तथा आवेश पूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां उत्पन्न कर देता है। महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

कुंभ राशि – नौकरी पेशा वाले लोगों की अच्छी इनकम होगी। आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरी पेशा वाले लोगों की अच्छी इनकम होगी। प्रॉपर्टी से जुडी समस्याओं के लिए भागदौड़ के उपरांत काम बन जायेगा। सगे सम्बन्धियों से अच्छे तालमेल बनेंगे। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मीन राशि – जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे है। आज आपका मन उत्साहित रहेगा। जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे है, उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत या आध्यात्मिक स्थल पर जरूर व्यतीत करें। भाइयों के साथ चल रही अनबन आज किसी की सहायता से हल हो सकती हैं। आज टूर एंड ट्रेवल्स संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अब अगले छह बाद ही खेलते दिखेंगे विराट और रोहित

एजेंसी, राजकोट

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अब अगले छह महीने बाद ही अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलते हुए दिखेंगे। इसका कारण ये है कि ये दोनो ही अब केवल एकदिवसीय में ही खेलते है। वहीं भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के छह माह बाद ही एकदिवसीय प्रारुप में खेलने उतरेगी। साल 2026 टी20 विश्व कप और 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद ही भारतीय टीम को अब एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। तब तक के लिए विराट और रोहित को भी आराम मिल गया है। अब जून में अफगानिस्तान की टीम तील एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर पहुंचेगी। तभी विराट और रोहित के पास मैदान में उतरने का अवसर रहेगा हालांकि ये भी देखना होगा कि इन दोनो को इस सीरीज के लिए शामिल किया जाता है या नहीं। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। यहां भी 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है। इसके बाद भारतीय टीम को सितंबर में बांग्लादेश जाना है हालांकि दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण हालातों को देखते हुए ये दौरा शायद ही हो पाये। सितंबर में ही भारतीय टीम वेस्टइंडीज का दौरा करेगी जहां 3 मैचों एकदिवसीय सीरीज होगी। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड जाना है।

डब्ल्यूपीएल 2026: दिल्ली पर शानदार जीत के बाद स्मृति मंधाना ने गेंदबाजों की सराहना की

एजेंसी, नवी मुंबई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 सीजन के 11वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार जीत के बाद टीम की गेंदबाजी इकाई की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि टीम के सभी गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मंधाना ने मैच के बाद कहा कि यह देखना अद्भुत था कि सभी ने कितनी प्रभावी गेंदबाजी की, खासकर पहले तीन ओवरों में, जब हमने दिल्ली की मजबूत शुरुआत को तोड़ते हुए चार विकेट लिए। सायली सतघरे ने पदार्पण मैच में दो महत्वपूर्ण विकेट लिए और फिर बेल (लॉरेन बेल) ने वही किया जो वह सबसे अच्छा करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि सभी ने अपनी योजनाओं को अच्छी तरह से निष्पादित किया। जिस तरह शैफाली वर्मा बल्लेबाजी कर रही थी, वह वास्तव में शानदार थी। उस समय हमने रणनीतियों में बदलाव किया और उसे सीमित रन देने की कोशिश की। हम जानते थे कि शैफाली एक ऐसी बल्लेबाज हैं जो बड़े स्कोर तक पहुंच सकती हैं, इसलिए हमें उसे जल्द आउट करना जरूरी था। यह कहना आसान है, लेकिन पूरी टीम ने योजनाओं को बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया। मंधाना ने अन्य गेंदबाजों की भी तारीफ करते हुए कहा कि प्रेमा और राधा ने अच्छी गेंदबाजी की और उस चरण में जो भी गेंदबाज आया, उसने असाधारण प्रदर्शन किया। अपनी बल्लेबाजी के बारे में मंधाना ने कहा कि यह एक अच्छी पारी थी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करना अक्सर लक्ष्य निर्धारित करने की तुलना में थोड़ा आसान होता है, क्योंकि बल्लेबाज को पता होता है कि क्या करना है, खासकर ऐसी विकेटों पर। जब दिल्ली ने लगभग 160 रन बनाए और हमने ग्रेस को जल्दी खो दिया, तो मुझे स्पष्ट था कि किन गेंदबाजों को आक्रमण करना है और किनका सम्मान करना है। ये छोटी-छोटी बातें हैं जो कभी काम करती हैं और कभी टी20 क्रिकेट में नहीं, लेकिन खुशी है कि आज यह हमारे पक्ष में गया और हमने मैच जीत लिया। शनिवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शैफाली वर्मा की 62 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 166 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार 96 रन और जॉर्जिया वॉल की 54 रन की अर्धशतकीय पारी की मदद से 18.2 ओवर में दो विकेट पर 169 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ आरसीबी लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स चार में से तीन मैच हारकर तालिका के आखिरी पायदान पर खिसक गई है।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित की

» फुलमाली, श्रेयंका की वापसी, कमलिनी और वैष्णवी पहली बार शामिल

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 फरवरी से होने वाले इस दौरे में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा दौनो ही टीमें एक टेस्ट भी खेलेंगी। टेस्ट टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है। इस दौरे से दोनो ही टीमों केा टी20 विश्वकप की तैयारी का भी अच्छा अनुभव मिलेगा। इस दौरे में नये खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। टी20 टीम में भर्ती फुलमाली की वापसी है हुई है। फुलमाली को साल 2019 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किय गयाहै। इसके अलावा युवा ऑफ-स्पिनर श्रेयांका पाटिल को भी टीम में जगह मिली है। वहीं एकदिवसीय दल में भी युवाओं को अवसर मिले है। 17 साल की विकेटकीपर जी कमलिनी और स्पिनर वैष्णवी शर्मा को पहली बार टीम में जगह मिली है। इसके अलावा काशवी गौतम को भी शामिल किया गया है पर अरुंधति रेड्डी को एकदिवसीय व रधा यादव को एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप में भी शामिल नहीं किया गया है। हरलीन देओल को एकदिवसीय टीम में बनाये रखा गया है पर उन्हें टी20 से बाहर कर दिया गया है।

टी20 टीम इस प्रकार है : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भर्ती फुलमाली, श्रेयांका पाटिल।

एकदिवसीय- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले जिम्बाब्वे को मिली बड़ी ताकत, कोर्टनी वॉल्श बने बॉलिंग कंसल्टेंट

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले जिम्बाब्वे क्रिकेट को बड़ी मजबूती मिली है। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श को टीम के सपोर्ट स्टाफ में बॉलिंग कंसल्टेंट के रूप में शामिल किया गया है। टूर्नामेंट फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका की मेज़बानी में खेला जाएगा, और जिम्बाब्वे क्रिकेट ने पुष्टि की है कि वॉल्श ने टीम के साथ काम शुरू कर दिया है। जिम्बाब्वे का अभियान 9 फरवरी को ग्रुप स्टेज के पहले मुकाबले में ओमान के खिलाफ शुरू होगा। यह मैच टीम के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होने वाला है, क्योंकि ग्रुप में मजबूत विरोधी मौजूद हैं। कोर्टनी वॉल्श टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने कोचिंग में भी अपना योगदान दिया, जिसमें बांग्लादेश पुरुष टीम के स्पेशलिस्ट बॉलिंग कोच और वेस्टइंडीज महिला टीम के हेड कोच के रूप में उनके अनुभव शामिल हैं। 2025 में उन्होंने जिम्बाब्वे महिला टीम के तकनीकी सलाहकार के तौर पर काम किया था। अब वॉल्श अपने अनुभव से जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करेंगे। अपनी नियुक्ति के बाद वॉल्श ने कहा कि उन्होंने टीम में अब तक जो देखा है, उससे वह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के तालमेल और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता की अहमियत पर जोर दिया और जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण की विविधता और संतुलन की भी तारीफ की। टी20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की गेंदबाजी यूनिट की अगुवाई सिकंदर रज़ा करेंगे। तेज गेंदबाजों में ब्लेसिंग मुज़ारबानी, रिचर्ड नगरावा और टिनोटेंडा मापोसा शामिल हैं, जबकि ऑलराउंडर सपोर्ट के रूप में ब्रैड इवांस और ताशिंगा मुसेकिवा टीम का हिस्सा होंगे। स्पिन विभाग में वेलिंगटन मसाकद्ज़ा, ग्राहम क्रेमर और सिकंदर रज़ा मौजूद हैं।

आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से कहा, बांग्लादेश से विश्वकप मैचों का ग्रुप बदलने तैयार नहीं

एजेंसी, दुबई

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में अपने विश्वकप मैच खेलने के इंकार करते हुए किसी अन्य देश में ये मैच कराने की अपील की थी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। वहीं इसके बाद बीसीबी ने आईसीसी से अपील की थी कि उसके ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदल दिया जाये पर यहां भी उसे झटका लगा है क्योंकि आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से साफ कहा दिया है कि वह ग्रुप बदलने को तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड (सीआई) ने कहा है कि आईसीसी उनके मैचों को श्रीलंका से बाहर नहीं रखे। सीआई के एक अधिकारी ने कहा, "आईसीसी ने हमसे साफ कहा है कि कार्यक्रम में बदलाव नहीं होगा। हम अपने ग्रुप स्तर के मैच श्रीलंका में ही खेलेंगे।" गौरतलब है कि टी20 विश्वकप 2026 में आयरलैंड ग्रुप बी में है, जिसमें उसे ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया हैं। आयरलैंड को अपने सभी ग्रुप स्तर के मैच मैच श्रीलंका में खेलने हैं। इसमें पहले तीन मैच कोलंबो जबकि अंतिम पालेकेले में खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश करे ग्रुप सी में रखा गया है। जिसमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली की टीमें शामिल हैं। बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उसकी टीम को ग्रुप सी में आयरलैंड के साथ बदल दिया जाए जिससे वह भारत की जगह श्रीलंका में अपने मैच खेल सके। वहीं आईसीसी की दो सदस्यीय टीम, जिसमें गौरव सक्सेना (जनरल मैनेजर, इवेंट्स एंड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) और एंड्रयू एफग्रेव (जनरल मैनेजर, इंटीग्रिटी यूनिट) शामिल थे, ने बीसीसी को मूल कार्यक्रम में ही बने रहने को लेकर समझाया। बीसीबी ने आईसीसी प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद कहा, "बीसीबी की अंतरराष्ट्रीय आईसीसी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई जिसमें आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भाग लेने पर बात हुई।"

व्यापार

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोने ने फिर बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। ये चमकीली धातु आज 360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगी हो गई है। इसीर तरह चांदी ने भी एक दिन की गिरावट के बाद आज एक बार फिर मजबूती दिखाई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में इस चमकीली धातु ने आज 3,100 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में आज आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,780 रुपये से लेकर 1,43,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,800 रुपये से लेकर 1,31,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,95,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। साप्ताहिक

आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 3,320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 3,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,603.51 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह की कारोबार में 35 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। लंदन सिल्वर मार्केट में चांदी का हाजिर भाव 93.92 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंचने के बाद फिलहाल 90.33 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,43,930 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा घटकर 11,318 करोड़

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने दिसंबर 2025 तिमाही में 11,317.86 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 11,792.42 करोड़ से 4.02 फीसदी कम है। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) सालाना 7.7 फीसदी बढ़कर 21,932 करोड़ रुपए हो गई। नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.30 फीसदी पर स्थिर रहा। ब्याज के अलावा आय (ट्रेजरी को छोड़कर) 7,525 करोड़ रुपए तक पहुंची, जो 12.4 फीसदी सालाना बढ़ी। ऑपरेटिंग खर्च 13.2 फीसदी बढ़कर 11,944 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस एनपीए 1.53 फीसदी और नेट एननीए 0.37 फीसदी पर आ गया, जो लगातार सुधार का संकेत है। घरेलू लोन 11.5 फीसदी सालाना बढ़ा, औसत डिपॉजिट 8.7 फीसदी बढ़कर 15.86 लाख करोड़ रुपए हुआ। सीएएसए डिपॉजिट 8.9 फीसदी बढ़े। कुल कैपिटल एडिक्वेसी 17.34 फीसदी रही।

एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 31 करोड़ व इंफोसिस का 39 करोड़ बढ़ा

मुंबई। बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह जबरदस्त तेजी देखी गई। सार्वजनिक क्षेत्र के एसबीआई का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) एक सप्ताह में 39,046 करोड़ रुपये बढ़ा। वहीं आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस का एमकैप 31,015 करोड़ रुपये बढ़ गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 5,795 करोड़ रुपये बढ़ा, जिससे इन बैंकों और आईटी कंपनियों की मजबूती का संकेत मिला। शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल अन्य सात कंपनियों को बाजार पूंजीकरण के मामले में नुकसान उठाना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 23,952 करोड़ रुपये और निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की एलएंडटी का 23,502 करोड़ रुपये घट गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,615 करोड़ रुपये गिर गया। इसी तरह, भारती एयरटेल का 6,443 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का 6,254 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण एमकैप 3,313 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि टीसीएस का 470 करोड़ रुपये घटा। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 19,72,493 करोड़ रुपये है। एचडीएफसी बैंक 14,32,535 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और टीसीएस 11,60,212 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है।

चेटजीपीटी में आएंगे पहली बार विज्ञापन

फ्री और गो प्लान के यूज़र्स के लिए शुरू होगा सीमित विज्ञापन परीक्षण

नई दिल्ली। ओपनएआई ने घोषणा की है कि वह चेटजीपीटी में विज्ञापन को ट्रायल आधार पर पेश करने जा रहा है। यह परीक्षण फिलहाल केवल अमेरिका में रहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए होगा। कंपनी के अनुसार विज्ञापन चैट के उत्तरों के ऊपर या नीचे दिखाई देंगे, लेकिन सीधे एआई के उत्तरों के अंदर शामिल नहीं किए जाएंगे। ओपनएआई ने साफ किया है कि विज्ञापन कभी भी चेटजीपीटी के जवाबों को प्रभावित नहीं करेंगे। कंपनी ने बताया कि विज्ञापन केवल वयस्क उपयोगकर्ताओं को ही दिखाए जाएंगे और वह भी तभी, जब चैट के विषय से जुड़ा कोई संबंधित स्पॉन्सर्ड उत्पाद या सेवा उपलब्ध होगी। 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह के विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे।

इसके अलावा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और राजनीति जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़े उत्तरों के आसपास विज्ञापन नहीं लगाए जाएंगे। ओपनएआई उपयोगकर्ताओं को यह सुविधा भी देगा कि वे जान सकें कि उन्हें कोई विशेष विज्ञापन क्यों दिखाया गया। कंपनी का कहना है कि यूज़र्स की निजता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और उनके चैट डेटा को विज्ञापनदाताओं के साथ साझा नहीं किया जाएगा। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने एक्स पर जानकारी दी कि यह विज्ञापन परीक्षण चेटजीपीटी के फ्री यूज़र्स और हाल ही में लॉन्च किए गए चेटजीपीटी गो प्लान (8 डॉलर प्रति माह) में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई लोग बिना सब्सक्रिप्शन के एआई टूल का इस्तेमाल करना चाहते हैं और विज्ञापन इस सुविधा को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ओपनएआई आने वाले वर्षों में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक निवेश की योजना बना रहा है। कंपनी की सालाना आय 13 बिलियन डॉलर से अधिक बताई गई है। ओपनएआई का कहना है कि विज्ञापन, सब्सक्रिप्शन और एंटरप्राइज मॉडल के जरिए वह लागत और उपयोगकर्ता पहुंच के बीच संतुलन बनाना चाहता है। शुरुआती ट्रायल के बाद यूज़र्स की प्रतिक्रिया के आधार पर आगे की नीति तय की जाएगी।

वैश्विक संकेत और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह विभिन्न कारकों से प्रभावित होगा, जिनमें प्रमुख तिमाही नतीजे, वैश्विक आर्थिक आंकड़े, और भू-राजनीतिक घटनाक्रम शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सभी फैक्टर्स के आधार पर निवेशकों का रुख तय होगा। इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे। शुरुआती दौर में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख दिग्गजों के नतीजे निवेशकों का ध्यान आकर्षित करेंगे। इसके बाद बीएचईएल, एलटीआईमाइंडट्री, पीएनबी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस जैसे अन्य महत्वपूर्ण कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी बाजार की प्रतिक्रियाएं देखी जाएंगी। अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, जैसे कि जीडीपी वृद्धि दर, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई (प्रचालनात्मक

गतिविधि) पर आधारित आंकड़े भी इस सप्ताह भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। इन आंकड़ों से वैश्विक बाजार की धारणा और मुद्रा की गति पर असर पड़ेगा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। निवेशक इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी विशेष ध्यान देंगे। यदि कोई महत्वपूर्ण घटनाएं घटित होती हैं, तो इसका असर बाजार पर पड़ सकता है। आम बजट के नजदीक आने से विभिन्न क्षेत्रों में बजट-पूर्व उम्मीदें हलचल पैदा कर सकती हैं।

सुजुकी जिक्सर 250 और जिक्सर एसएफ 250 लॉन्च

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर 250सीसी मोटरसाइकल्स जिक्सर 250 और जिक्सर एसएफ 250 को सुजुकी इंडिया ने 2026 अपडेट के साथ लांच कर दिया है। नए रंगों के बावजूद बाइक्स की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस अपडेट में कंपनी ने दोनों बाइक्स के लिए दो नए आकर्षक कलर ऑप्शन पेश किए हैं। नए कलर ऑप्शन्स में पर्ल ग्लेशियर व्हाइट के साथ मेटैलिक मैट प्लैटिनम सिल्वर नंबर 2 शामिल है। यह व्हाइट बेस कलर गोल्डन हाइलाइट्स वाली ग्राफिक्स के साथ आता है, जो बाइक को पहले से ज्यादा प्रीमियम और क्लासी लुक देता है। दूसरा नया कलर ग्लास स्पार्कल ब्लैक

है, जिसमें ब्लैक फिनिश के साथ रेड ग्राफिक्स दिए गए हैं। यह कलर ऑप्शन उन राइडर्स को ध्यान में रखकर पेश किया गया है, जो डार्क और मस्कुलर लुक पसंद करते हैं। इसके अलावा मेटैलिक ट्रिटॉन ब्लू और पर्ल ग्लेशियर व्हाइट का पुराना कलर ऑप्शन भी उपलब्ध रहेगा। कीमत की बात करें तो सुजुकी जिक्सर एसएफ 250 की एक्स-शोरूम दिल्ली कीमत 1,89,768 रुपये है, जबकि जिक्सर 250 की कीमत 1,81,517 रुपये रखी गई है। कंपनी इन बाइक्स पर क्रमशः 12,000 रुपये और 10,000 रुपये तक के बेनिफिट भी ऑफर कर रही है। फाइनेंस के मोर्चे पर सुजुकी ने नो डाउन पेमेंट ईएमआई, नो हाइपोथेक्शन स्कीम और 7.99 प्रतिशत ब्याज दर पर लोन जैसे विकल्प पेश किए हैं, जिससे युवाओं और स्पोर्टी बाइक चाहने वाले ग्राहकों के लिए इन्हें खरीदना आसान हो जाता है। मैकेनिकल तौर पर 2026 अपडेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दोनों बाइक्स में 250सीसी का ऑयल-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलता है, जो 26.2 बीएचपी की पावर और 22 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

मूवी रिव्यू 'बिहू अटैक', असम के जंगलों से पाकिस्तान तक फैली साज़िश

फिल्म: 'बिहू अटैक'
कलाकार: देव मेनारिया, डेज़ी शाह, अरबाज खान, राहुल देव, रज़ा मुराद, युक्ति कपूर, अमी मिसोबा, हितेन तेजवानी
निर्देशक: सुज़ाद इक़बाल खान
निर्माता: प्रबीर कांता साहा
रेटिंग: 3.5

सीमावर्ती राज्यों में भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियों को एक साथ कई मोर्चों पर लड़ना पड़ता है, आंतरिक उग्रवाद से लेकर सीमा पार आतंकवाद तक। इसी संवेदनशील और जटिल विषय को आधार बनाकर पीकेएस फिल्म प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी फिल्म 'बिहू अटैक' असम के प्रमुख त्योहार बिहू के मौके पर 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई है। फिल्म का निर्माण प्रबीर कांता साहा ने किया है, जबकि निर्देशन की कमान सुज़ाद इक़बाल खान ने संभाली है।

कहानी– फिल्म की शुरुआत असम के घने जंगलों से होती है, जहां पास के गांव की एक युवती लकड़ी इकट्ठा कर घर लौट रही होती है। जंगल में कुछ बदमाश उसके साथ दरिंदगी की कोशिश करते हैं, लेकिन समय पर पहुंचकर कोर्ट मार्शल झेल चुके आर्मी ऑफिसर राज कुँवर (देव मेनरिया) उसे बचा लेते हैं और सुरक्षित गांव पहुंचाते हैं। यह गांव स्थानीय उग्रवादी गुटों के प्रभाव में है, जहां लगभग सभी पुरुष सिस्टम के खिलाफ हथियार उठाए हुए हैं। राज कुँवर उनसे संवाद के जरिए हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में लौटने की अपील करता है। गांव वालों के सुख-दुख में शामिल होकर वह धीरे-धीरे उनका भरोसा जीत लेता है। लेकिन हालात तब बदलते हैं, जब पाकिस्तान से आए खूंखार आतंकी इन स्थानीय उग्रवादियों से संपर्क करते हैं और बिहू के दिन असम को दहलाने की साजिश रचते हैं। इस खतरनाक योजना की भनक भारतीय खुफिया एजेंसी के अधिकारी (अरबाज खान) को लगती है। इसके बाद वह राज कुँवर, सेना के अधिकारी (हितेन तेजवानी) और उनकी टीम के साथ मिलकर आतंकियों को पकड़ने और इस हमले को नाकाम करने का प्लान बनाते हैं। यह मिशन कितना सफल होता है, यह जानने के लिए फिल्म देखनी होगी, जिसमें एक्शन और एडवेंचर की भरपूर झलक मिलती है।

अभिनय– देव मेनरिया अपने किरदार में प्रभाव छोड़ते हैं। एक सैन्य अधिकारी और एक पिता दोनों रूपों में उनके भावनात्मक दृश्य प्रभावी बन पड़े हैं। अरबाज खान, राहुल देव और हितेन तेजवानी अपने-अपने किरदारों को मजबूती देने की कोशिश करते हैं। खासतौर पर राहुल देव और हितेन तेजवानी का अनुभव उनके सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद साफ नजर आता है। दोनों ही अपने किरदारों में संतुलित और विश्वसनीय लगते हैं। चूंकि फिल्म परफॉर्मेंस से ज्यादा कहानी पर केंद्रित है, इसलिए ड्रामा और प्रेजेंटेशन प्रभावी साबित होते हैं।

निर्देशन और तकनीकी पक्ष– निर्देशक सुज़ाद इक़बाल खान ने एक बेहद संवेदनशील विषय पर ईमानदार प्रयास किया है। हालांकि फिल्म का मिडिल पोर्शन कुछ जगह उलझा हुआ लगता है, लेकिन अंतिम हिस्से में कहानी पटरी पर लौट आती है। असम की संस्कृति, भाषा और पारंपरिक पहनावे को प्रामाणिक रूप से दिखाने की कोशिश सराहनीय है। कॉस्ट्यूम डिपार्टमेंट का काम भी फिल्म की विश्वसनीयता बढ़ाता है। सीमित संसाधनों के बावजूद निर्देशक एक जटिल विषय को पर्दे पर पेश करने में काफी हद तक सफल रहते हैं।

निष्कर्ष– 'बिहू अटैक' एक ऐसे भारतीय सैन्य अधिकारी की कहानी है, जो पाकिस्तान में पकड़े जाने के बाद अकेला जिंदा लौटता है, जबकि उसके सभी साथी शहीद हो जाते हैं। कोर्ट मार्शल झेलने के बावजूद वह अपना सैन्य धर्म नहीं छोड़ता और देश की सुरक्षा के लिए लगातार काम करता रहता है। फिल्म यह भी दिखाती है कि कैसे भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियां मिलकर देश के भीतर सक्रिय उग्रवादी गुटों और सीमा पार से आए आतंकवादियों से निपटने की कोशिश करती हैं।

सलमान के पास अनुभव का विशाल भंडार है : चित्रांगदा सिंह

पकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में अभिनेत्री चित्रांगदा ने सलमान खान के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए हैं। चित्रांगदा सिंह ने सलमान खान की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास अनुभव का विशाल भंडार है, जो उनके अभिनय में साफ झलकता है। उन्होंने बताया कि सलमान पारंपरिक तरीके से किसी किरदार की तैयारी नहीं करते। वह न तो डायलॉग्स को रटते हैं और न ही सीन की बार-बार रिहर्सल करते हैं। इसके बजाय वह किरदार की मानसिकता और भावनाओं को धीरे-धीरे समझते हैं और उसी के साथ खुद को ढालते हैं। दर्शकों को यह महसूस ही नहीं होता कि पर्दे पर दिख रही सहजता के पीछे कितनी गहरी समझ और मेहनत छिपी होती है। चित्रांगदा के अनुसार, सलमान खान का यही तरीका उन्हें ऑन-स्क्रीन हमेशा नया और दिलचस्प बनाए रखता है। उनका अभिनय कभी भी एक जैसा या उबाऊ नहीं लगता, क्योंकि वह हर सीन को सीधे और अनुमानित ढंग से निभाने के बजाय अपने खास अंदाज में पेश करते हैं। यही वजह है कि उनके किरदार लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बने रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सलमान का सहज और प्राकृतिक स्वभाव उनके साथ काम करने वाले कलाकारों के लिए बेहद प्रेरणादायक है। सेट पर वह अपने सह-कलाकारों के साथ सकारात्मक ऊर्जा और ताजगी बनाए रखते हैं, जिससे काम का माहौल सहज और उत्साहपूर्ण रहता है। चित्रांगदा ने बताया कि सलमान के साथ काम करना उनके लिए न सिर्फ मजेदार अनुभव रहा, बल्कि सीखने का भी एक बेहतरीन अवसर रहा। उनके मुताबिक, सलमान यह एहसास कराते हैं कि जब अनुभव और सहजता का सही संतुलन बन जाता है, तो कलाकार का काम अपने आप प्रभावशाली हो जाता है। फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की बात करें तो यह 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई ऐतिहासिक झड़प पर आधारित है। 15 जून 2020 को नियंत्रण रेखा पर हुई इस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। फायरआर्म्स के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के कारण सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों से संघर्ष किया था। फिल्म में सलमान खान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व करते हुए अद्भुत साहस दिखाया।

सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर 'वन' की रिलीज डेट बढ़ी आगे

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी पिछली फिल्म 'परम सुंदरी' के बाद एक बार फिर चर्चा में हैं। इन दिनों वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की तैयारी में जुटे हुए हैं, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। हालांकि, यह फिल्म मई 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज को आगे बढ़ाए जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धार्थ की इस फिल्म की रिलीज तारीख पहले 15 मई 2026 तय की गई थी। लेकिन अब इसे टालने की वजह अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' बताई जा रही है, जिसे 3 अप्रैल की बजाय 15 मई को रिलीज किया जाएगा। चूंकि दोनों ही फिल्मों की निर्माता एकता कपूर हैं, ऐसे में एक ही दिन दो बड़ी फिल्मों का रिलीज होना व्यावहारिक नहीं माना जा रहा। इसी कारण 'वन' की नई रिलीज डेट जल्द घोषित किए जाने की उम्मीद है। 'वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' का निर्देशन दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार कर रहे हैं, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी एक प्राचीन जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां रोमांच और थ्रिल का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए इसकी शूटिंग असली जंगलों में की जा रही है। वहीं, सिद्धार्थ के जन्मदिन के मौके पर 16 जनवरी को फिल्म का पहला पोस्टर जारी किए जाने की भी संभावना है।

फैशन सर्कल्स में हलचल मचा दी संदीपा धर ने

अपने बोल्ड और कॉन्फिडेंट अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री संदीपा धर ने कई बार साबित कर दिया कि वह फैशन को सिर्फ पहनती नहीं, बल्कि उसे आत्मविश्वास के साथ जीती हैं। हाल ही में उनकी रेड ड्रेस में सामने आई तस्वीरों ने सोशल मीडिया और फैशन सर्कल्स में हलचल मचा दी है। संदीपा की रेड ड्रेस का सिलुएट बेहद डेरिंग और एलिगेंट है। रणनीतिक कट-आउट्स और फिगर-हगिंग फिट उनकी टोंड फिगर को खूबसूरती से उभारते हैं। ड्रेस की हाल्टर नेकलाइन उनके शोल्डर्स और कॉलरबोन्स को हाइलाइट करती है, जबकि थाई-हाई स्लिट पूरे लुक में ड्रामैटिक टच जोड़ता है। यह आउटफिट एक साथ ग्लैमरस, सेंसुअस और रिफाइंड नजर आता है। हालांकि, इस लुक को खास बनाती है संदीपा का इसे कैरी करने का अंदाज़। उनका कॉन्फिडेंट पॉश्चर, सहज मुस्कान और फ्लुइड पोज़ इस ड्रेस को सिर्फ एक फैशन चॉइस नहीं, बल्कि एक पावरफुल स्टाइल स्टेटमेंट बना देते हैं। उन्होंने अपने मेकअप को मिनिमल रखा है, जिससे ड्रेस का रंग और डिज़ाइन पूरी तरह उभरकर सामने आता है। सॉफ्ट वेव्स में खुले बाल और नैचुरल ग्लोइंग स्किन उनके लुक को और निखार देती है। लाल रंग को अक्सर पैशन, पावर और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है, और संदीपा धर पर यह रंग खास तौर पर जंचता नजर आ रहा है। यह शेड न सिर्फ उनके कॉम्प्लेक्शन को उभारता है, बल्कि उनकी बोल्ड ऑन-स्क्रीन पर्सनैलिटी को भी रिफ्लेक्ट करता है। उनका यह अवतार फियरी और एलिगेंट का परफेक्ट बैलेंस बनाता है। संदीपा धर लंबे समय से अपनी एक्टिंग के साथ-साथ फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वह हर अपीयरेंस के साथ यह साबित करती हैं कि सच्चा स्टाइल सिर्फ कपड़ों में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और एटीट्यूड में होता है।

'ओ रोमियो' का पहला गाना रिलीज

शाहिद कपूर की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' वैलेंटाइन डे के मौके पर दर्शकों को प्यार की नई परिभाषा देने के लिए तैयार है। फिल्म में शाहिद के साथ तृप्ति डिमरी रोमांटिक अंदाज़ में नजर आ रही हैं, जिनकी झलक पहले ही टीजर में देखने को मिल चुकी है। अब मेकर्स ने फिल्म का पहला रोमांटिक गाना 'हम तो तेरे ही लिए थे' रिलीज कर दिया है, जिसे अरिजीत सिंह की भावुक आवाज़ ने और भी खास बना दिया है।

शाहिद-तृप्ति की केमिस्ट्री ने लूटा दिल– 'हम तो तेरे ही लिए थे' को टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। गाने में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी बेपरवाह आशिकों के रूप में नजर आते हैं, जहां रोमांस के साथ दर्द, इमोशन और दीवानगी की झलक साफ दिखाई देती है। गुलज़ार के खूबसूरत बोल और विशाल के संगीत ने इस गाने को और भी यादगार बना दिया है। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। 'ओ रोमियो' में शाहिद और तृप्ति के अलावा विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी और नाना पाटेकर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

फ़िल्म रिव्यू 'राहु केतु' : हंसी, कल्पना और भ्रष्टाचार पर तंज की मज़ेदार कहानी

लोककथाओं और किस्सों की कल्पनात्मक दुनिया जब आज के सिस्टम से टकराती है, तो जो हालात पैदा होते हैं, वही 'राहु केतु' की बुनियाद हैं। 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई यह फिल्म एक बार फिर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की जानी-पहचानी जोड़ी को हल्की-फुल्की, लेकिन व्यंग्य से भरपूर कहानी में पेश करती है। निर्देशन की कमान विपुल विज ने संभाली है।

कहानी– फिल्म की शुरुआत पीयूष मिश्रा की विशिष्ट आवाज़ में सुनाए गए टाइटल सॉन्ग से होती है, जिसे एनिमेशन और कठपुतली शैली में पेश किया गया है। यह प्रयोग दर्शक को बिना देर किए फिल्म की अनोखी दुनिया में खींच लेता है और आगे की कहानी के लिए उत्सुकता जगा देता है। कहानी हिमाचल के एक शांत गांव में पहुंचती है, जहां फूफा (पीयूष मिश्रा) अपने गधे के साथ लेखक चुरू लाल शर्मा (मनु ऋषि चड्ढा) के घर आते हैं। उनके पास एक रहस्यमयी जादुई किताब है, जिसके बारे में मान्यता है कि उसमें लिखा हर शब्द सच हो जाता है। चुरू लाल फूफा को बताता है कि यही किताब अब उसके लिए मुसीबत बन चुकी है। उसकी कल्पना से गढ़े गए दो किरदार राहु (वरुण शर्मा) और केतु (पुलकित सम्राट) अब कल्पना की सीमा तोड़कर असल दुनिया में मनाली की सड़कों पर घूम रहे हैं और अपनी 'मनहूस' छाया फैला रहे हैं।

अभिनय– पीयूष मिश्रा फूफा के किरदार में फिल्म की रीढ़ साबित होते हैं और हर सीन में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराते हैं। वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट राहु-केतु के रूप में पूरी तरह फिट नजर आते हैं और फिल्म की कॉमिक एनर्जी को संभालते हैं। शालिनी पांडे 'मीनू टैक्सी' के किरदार में सहज और प्रभावी लगती हैं। चंकी पांडे मोरदेचाई के रूप में अलग अंदाज़ में मनोरंजन करते हैं, जबकि अमित सियाल (भ्रष्ट एसएचओ) और सुमित गुलाटी (कांस्टेबल) अपने-अपने किरदारों से कहानी को सपोर्ट करते हैं।

निर्देशन, संगीत और तकनीकी पक्ष– निर्देशक विपुल विज ने कहानी के टोन को संतुलित रखा है और कलाकारों से सटीक काम निकलवाया है। सिनेमैटोग्राफी हिमाचल की खूबसूरती को प्रभावी ढंग से कैद करती है। बैकग्राउंड स्कोर और तकनीकी पहलुओं पर भी ध्यान दिया गया है। फिल्म के गाने कहानी की गति को बनाए रखते हैं और सुनने में भी सुखद लगते हैं।

फाइनल टेक– 'राहु केतु' घटनाओं की तेज़ रफ्तार के जरिए दर्शकों को अंत तक बांधे रखती है। यह फिल्म कल्पना, व्यंग्य और हल्की-फुल्की कॉमेडी का ऐसा मिश्रण पेश करती है, जो रोज़मर्रा के तनाव से कुछ देर की राहत देता है।

प्रतिस्पर्धा जरुरी है लेकिन सकारात्मक होनी चाहिए: सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री सोनल चौहान ने कहा है कि जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से न तो इंडस्ट्री का भला होता है और न ही किसी कलाकार का। अभिनेत्री का मानना है कि प्रतिस्पर्धा जरूरी है, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक होनी चाहिए, न कि किसी को बदनाम करके आगे बढ़ने की कोशिश। सोनल चौहान ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखते हुए लिखा कि एक्टर्स के खिलाफ चल रही पेड नेगेटिव पीआर अब बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इतनी नकारात्मकता की कोई जरूरत नहीं है और किसी को बुरा दिखाकर कोई खुद अच्छा नहीं बन सकता। सोनल ने सवाल उठाया कि हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते, जबकि इंडस्ट्री में हर कलाकार अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करता है। उनका कहना है कि अगर कलाकार एक-दूसरे को सपोर्ट करें, तो फिल्म इंडस्ट्री का माहौल कहीं ज्यादा स्वस्थ और सकारात्मक हो सकता है। उन्होंने अपील की कि सभी को थोड़ा और सकारात्मक सोच अपनानी चाहिए। सोनल चौहान से पहले भी कई कलाकार पेड नेगेटिव पीआर और ट्रोलिंग के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया ने हाल ही में खुलासा किया था कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव कैंपेन चलाया जा रहा है। तारा ने कहा था कि झूठी अफवाहों और सोशल मीडिया ट्रोलिंग का उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह चाहती हैं कि लोग उनके काम और अभिनय पर ध्यान दें, न कि मनगढ़ंत कहानियों और अफवाहों पर। अभिनेत्री यामी गौतम ने भी इस तरह के पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए बेहद खतरनाक बताया है। उनके अनुसार, यह एक तरह की वसूली जैसा सिस्टम बनता जा रहा है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को नुकसान पहुंचा सकता है। यामी ने फिल्म इंडस्ट्री से अपील की थी कि इस कल्चर को समय रहते खत्म किया जाना चाहिए, ताकि काम और टैलेंट को सही पहचान मिल सके। वहीं सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने भी पेड पीआर को लेकर गहरी चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि इस पूरे खेल में सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची और निष्पक्ष आवाज। पैसों के दबाव में सच बोलने की आजादी खत्म हो जाती है, जबकि ईमानदार राय ही कलाकारों के लिए असली फीडबैक होती है।

Goa nightclub where 25 died in fire was flagged for illegal construction in 2024

New Delhi,Agency: The Goa government has told the legislative assembly that the Birch by Romeo Lane nightclub, where 25 persons died in a fire last month, had been flagged for illegal construction by revenue officials in 2024.

Twenty-five persons were killed last month in a fire at the Birch by Romeo Lane nightclub, located at Arpora in North Goa.

State Revenue Minister Atanasio Monserratte, in a written reply to the House on Friday, attached documents that show the club was constructed by demolishing the traditional sluice gate inside the salt pan by illegally converting the land.

The original owners of the property, Pradeep Ghadi Amonkar and Sunil Divkar, had filed a complaint before the Bardez taluka mamlatdar (revenue officer) on December 21, 2023.

The complaint was filed against the then Maizon Lake View Resort (later named as the Birch by Romeo Lane after it was leased out to brothers Saurabh and Gaurav Luthra).

The complainants had signed an agreement for sale with Surinder Khosla, the proprietor of the resort.

Their complaint specifically mentioned that there was a construction without the conversion of land and without the change of zone.

It alleged that there was construction in the tenanted land and the "traditional sluice gate was demolished."

The complaint also pointed out that the establishment was "discharging sewage into the Baga river".

The documents, tabled by the minister, also showed that the complainants had specifically mentioned that the discotheque (nightclub) was

being operated in an "unsafe structure which could cause a major tragedy."

The complaint also mentioned that there was "mis-utilisation of open spaces in contravention to the building by-laws."

Responding to the complaint, the Bardez mamlatdar had asked Arpora-Nagoa panchayat talathi to conduct an inspection of the premises, which confirmed the gross illegalities, including construction inside the salt pan by demolishing the sluice gate.

The documents tabled by the minister also mentioned that landfilling was done over 25,750 square metres of area with an average height of 1.5 metres.

The talathi had listed out that 4,000 sqm area was earmarked for parking, 7,500 sqm for construction of shops, 7,250 sqm for landscaping and water sports, another 3,600 sqm for landscaping in the property's western part, and in the centre of the property where the salt pan existed, there were two structures of 2,000 and 1,400 sqm each, where the controversial nightclub cum restaurant was located.

"The party (Khosla) says he has all the documents but did not produce (them) even after being given several opportunities for almost two months," as per the documents tabled by Monserratte to a question by Goa Forward Party MLA Vijai Sardesai.

The winter session of the state assembly was held from January 12 to 16.

Mumbai mayor polls likely on January 28

Voting, reservation and selection process explained

Mumbai, Agency: The next Mumbai mayor will be elected through a vote by corporators in the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) House, with the candidate securing the highest number of votes declared mayor.

The election is expected to be held on January 28, 2026, during a special meeting convened by the municipal administration, civic sources said.

The Mayor will be elected through voting by corporators in the house. "Whoever gets the maximum number of votes is declared the Mayor and deputy Mayor," said an official.

While it is not mandatory for the party with the highest number of corporators to secure the Mayor's

post, past trends show that the party with a clear majority usually managed to claim the prestigious position. The last Mayor was Kishori Pednekar of the Shiv Sena, who won the election this time as well.

According to sources, the Urban Development Department will hold a lottery next week to decide the reservation category of the mayor's post—such as general, women or reserved classes. The mayoral election will be held some days after the lottery, placing the election firmly towards the last week of January. How Mumbai mayor is elected

The process begins with the Urban Development Department conducting a lottery to decide the reservation of the mayor's post. Once the category is announced, eligible corporators file their nominations. The election is then held at a special meeting of the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC). All elected corporators vote, and the candidate who secures a simple majority—more than half of the House strength—is elected mayor.

If no party has a clear majority, alliances and post-poll negotiations become decisive. Given the present political equations in Mumbai, sources said the possibility of shifting loyalties or realignments during the mayoral race cannot be ruled out.

Army launches 3rd Bailey bridge in SL following Ditwah cyclone

New Delhi,Agency: The Indian Army's Engineer Task Force has successfully constructed a third Bailey bridge in Sri Lanka, following widespread destruction due to cyclone Ditwah.The new 120-feet-long bridge has been built on the B-492 highway in Sri Lanka's Central Province. Linking Kandy and Nuwara Eliya districts, it will restore a vital lifeline that was cut off for over a month in the aftermath of the recent cyclone.

The Army's announcement follows the earlier successful launch of two Bailey bridges in the Jaffna and Kandy regions. Collectively, these engineering efforts have restored road connectivity, improved access to essential services, and provided much-needed relief to communities affected by the cyclone.

Indians start returning from Iran amid protests

New Delhi, Agency: Several Indians, including students, have arrived in New Delhi on board commercial flights from Iran amid widespread protests in the Islamic nation and Tehran's crackdown that has so far killed more than 2,500 persons.

A woman medical student said, "The Internet was not working. So, we didn't exactly know what was happening around the country."The Indian Embassy in Tehran has been reassuring Indian nationals there through available means of communication. External Affairs Ministry spokesperson Randhir Jaiswal, in his weekly media briefing on Friday said, "At present, there are approximately 9,000 of our nationals living in Iran. Most of them are students"."Besides, there are sailors, pilgrims and some people who are associated with business and reside there," he said, adding that in view of the recent developments and activities taking place in Iran, the MEA hade issued "two to three advisories".

Over 1.3 crore devotees take holy dip on Mauni Amavasya at Sangam in UP's Prayagraj

New Delhi,Agency: More than 1.3 crore devotees took a holy dip in the Ganga and at the Sangam by 8 am on Sunday on the occasion of Mauni Amavasya, the main bathing festival of the ongoing Magh Mela here, officials said.

A senior mela administration official said devotees began arriving at the Ganga and Sangam ghats from midnight, braving dense fog, and continued to stream in from all directions through the early morning hours.

Earlier, about 1.03 crore devotees had taken a dip on the occasion of Makar Sankranti, while nearly 85 lakh people bathed in the Ganga and Sangam on Ekadashi.

Divisional Commissioner Saumya Agrawal said reflective tapes have been installed on poles across the mela area to help pilgrims navigate correctly, while civil defence volunteers have been deployed to guide devotees.

She said the Magh Mela has been spread across 800 hectares and divided into seven sectors. More than 25,000 toilets have been installed in the mela area, and over 3,500 sanitation workers are deployed to maintain cleanliness.

Agrawal added that a tent city has been set up for tourists and pilgrims wishing to observe short-term Kalpvas (purification rituals), with facilities for meditation and yoga. To ensure smooth movement, services such as bike taxis and golf carts have also been provided. Superintendent of Police (Magh Mela) Neeraj Pandey said over 10,000 police personnel have been deployed across the mela area to ensure security and smooth movement of devotees. For crowd management and traffic regulation, 42 temporary parking zones have been created this year, with a capacity to accommodate over one lakh vehicles. He said a total of 12,100 feet-long bathing ghats have been constructed for the Magh Mela 2025-26, equipped with all essential basic facilities.

Japan to invite 500 AI experts from India by 2030

New Delhi, Agency: Japan plans to invite 500 skilled artificial intelligence (AI) professionals from India by 2030 to promote joint research and innovation, officials said. This comes as a significant boost to technological cooperation between the two nations.

The announcement was made during the 18th Japan-India Foreign Ministers' Strategic Dialogue between External Affairs Minister S Jaishankar and his Japanese counterpart Toshimitsu Motegi in New Delhi.

According to officials aware of the matter, the meeting lasted for over two hours and covered a spectrum of bilateral and regional issues.

As part of the newly launched "Japan-India AI Cooperation Initiative", both sides agreed to set up a "Japan-India AI Strategic Dialogue" to facilitate research partnerships, academic exchanges and technological collaboration in the rapidly evolving field.

Motegi, visiting India for the first time in six years, said Tokyo wants to deepen cooperation with New Delhi in advanced technology sectors while contributing to the upcoming AI Impact Summit. India will host the summit next month.

Welcoming Motegi's proposal, Jaishankar termed it a "forward-looking step" in expanding innovation-driven ties.

The two ministers reaffirmed

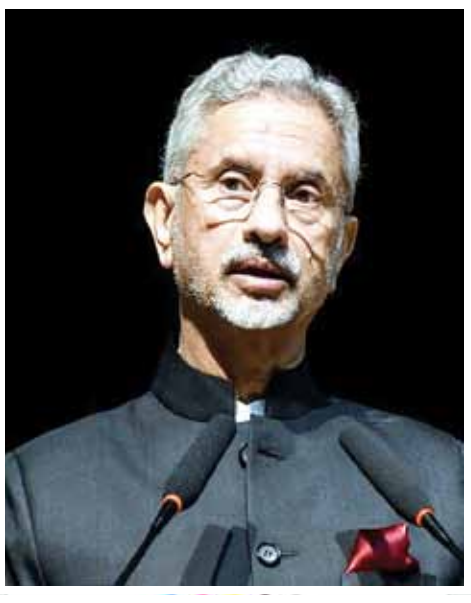

their commitment to strengthening cooperation across three key pillars — security and defence, economy and innovation, and people-to-people exchanges — under the "Japan-India Joint Vision for the Next Decade".

According to a joint press statement released by the two ministers, both sides agreed to intensify efforts to build resilient supply chains in critical sectors such as semiconductors, clean energy, critical minerals, information and communication technology (ICT), and pharmaceuticals. The two nations also plan to launch a new private-sector dialogue on economic security within the first quarter of 2026.

Motegi and Jaishankar announced that 2027 will be designated as the 75th anniversary of the establishment of diplomatic relations between India and Japan, and plans were in the works for a year-long series of cultural and academic exchanges.

Among key regional issues, the ministers discussed cooperation in ensuring a free and open Indo-Pacific, enhancing connectivity in the North East region and maintaining close coordination within the Quad framework involving the United States and Australia. They also exchanged views on global governance reforms, including cooperation at the World Trade Organization (WTO) and the United Nations (UN) Security Council.